राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 20 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-29 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नागपुर हिंसकट्ट झड़पों को लेकर 51 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नागपुर।

महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी नागपुर में हिंसक झड़प के बाद 10 पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू जारी है। पुलिस इंस्पेक्टर ने शिकायत दर्ज कराई है और एफआईआर में 51 लोगों के नाम हैं, जिनमें कई नाबालिग भी हैं। आरोपी मुख्य रूप से नागपुर शहर के बताए जा रहे हैं, एफआईआर के मुताबिक प्रदर्शन तब हिंसक हो गया जब भीड़ ने पुलिस अधिकारियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंकना शुरू किया। कथित तौर पर पुलिस पर कुल्हाड़ियों और लोहे की छड़ों से हमला किया गया। पुलिस द्वारा चेतावनी के बावजूद भीड़ ने हिंसक कार्रवाई जारी रखी, जिससे पुलिस कर्मियों और नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। एफआईआर के मुताबिक नागपुर में हिंसा के दौरान, आरोपियों में से एक ने अंधेरे का फायदा उठाया और ड्यूटी पर मौजूद आरसीपी दस्ते की एक महिला पुलिस अधिकारी की वर्दी उतार दी। आरोपियों ने कुछ महिला पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी भी की।

बीजेपी सरकार ने अपनाया यूपी का 1090 मॉडल, अखिलेश ने जताई खुशी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने राजस्थान की बीजेपी सरकार के 1090 मॉडल अपनाने के फैसले पर खुशी जताई है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा के शासनकाल में यूपी में शुरू हुए 'महिला सुरक्षा' के लिए समर्पित '1090' मॉडल को अब राजस्थान सरकार अपना रही है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- आशा है इससे राजस्थान में नारी सुरक्षा की एक प्रभावकारी और सार्थक व्यवस्था तैयार होगी। पीडीए के आंदोलन में आधी आबादी के रूप में स्त्री हमेशा महत्वपूर्ण रही है, इसीलिए समाजवादी सरकार में हर बालिका, युवती और नारी में सुरक्षा के भाव और आत्मविश्वास का संचार करने के लिए ऐसे सुरक्षात्मक कदम उठाए गए थे। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों राजस्थान पुलिस की एक टीम लखनऊ आई थी और वीमिन पावर लाइन 1090 के दफ्तर का दौरा किया था। यूपी पुलिस ने उन्हें 1090 के काम और तौर-तरीकों से परिचित कराया। राजस्थान पुलिस टीम ने कहा था कि 1090 के आंकड़ों के मुताबिक 1 जनवरी से 16 मार्च 2025 तक कुल 93,043 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से 82.05 फीसद मामलों का समाधान हो चुका है। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन ने काउंसलिंग सेल, पुलिस सेल और साइबर सेल के जरिए से शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

संभल डीएम ने किया निरीक्षण, सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद और मकानों को बताया अवैध

संभल। यूपी के संभल में सरकारी जमीन पर बने मकानों को लेकर जिला प्रशासन एक्शन मूड में है। इसको लेकर डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि मस्जिद और 33 मकानों को कानूनी प्रक्रिया के तहत गिराया जा सकता है। डीएम ने चंदौसी नगर पालिका परिषद के अंतर्गत वारिस नगर में निगम की जमीन का जायजा लिया और पाया कि जमीन पर अवैध निर्माण हो रहा है। इस मामले में डीएम ने कहा कि यह जमीन नगर पालिका की है, बिना किसी स्वामित्व के अवैध रजिस्ट्री की गई है। 33 मकान और एक मस्जिद सहित कुल 34 मकान अवैध रूप से बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कुछ समय से तहसीलदार द्वारा की जा रही थी और रिपोर्ट पहले ही उप-जिलाधिकारी को सौंप दी गई थी। डीएम ने कहा कि हम प्रत्येक तहसील दिवस के दौरान व्यक्तिगत रूप से दो शिकायतों का संज्ञान लेकर मौके पर जाते हैं। कोई भी अतिक्रमण पाया जाता है तो उसे कानून के मुताबिक ध्वस्त कर दिया जाएगा। विवादित जमीन करीब 6.5 बीघा में फैली है। अगले कदमों के बारे में पूछे जाने पर जिलाधिकारी ने कहा कि अतिक्रमण की गई जमीन पर बने किसी भी ढांचे को कानूनी प्रावधानों के मुताबिक ध्वस्त कर दिया जाएगा। बता दें पिछले साल 24 नवंबर को संभल जिले में हिंसा भड़की थी। यह हिंसा शाही जामा मस्जिद के सर्वे के विरोध को लेकर हुई थी। कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करने का आदेश दिया था। एक याचिका में दावा किया गया था कि मस्जिद की जगह पर पहले मंदिर था। इसके बाद यह मस्जिद विवादों में आ गई।

चलते टेम्पो में अचानक लगी आग, 4 की जलकर मौत, कई घायल

पुणे। पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके में टेंपो ट्रेवलर में आग लग गई। टेम्पो में सवार चार लोगों की जलने से मौत हो गई। चारों लोग व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के कर्मचारी थे। इस टेम्पो में कंपनी के कुल 12 कर्मचारी सवार थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हिंजेवाड़ी फेज-1 में ड्राइवर के पैरों के पास चलते टेम्पो अचानक आग लग गई। तभी ड्राइवर और आगे बैठे लोग तुरंत कूद गए। हालांकि, पीछे का दरवाजा नहीं खुलने से चार लोगों की जलकर मौत हो गई। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सुनीता के लौटने पर खुश हुए पीएम मोदी, पोस्ट कर लिखा....धरती को आपकी याद आई

नई दिल्ली ।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, साथ ही नासा के निक हैग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव, नौ माह के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा सुरक्षित रूप से फ्लोरिडा के तट पर उतारा गया। धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्रियों को एक सुंदर और अप्रत्याशित अनुभव हुआ। उनका स्वागत डॉल्फिन्स ने किया। यह एक करीब जादुई क्षण था जब डॉल्फिन ने ड्रैगन कैप्सूल के चारों ओर चक्कर लगाया, इससे पहले कि इस रिकवरी पोत पर रखा जाता। रिकवरी टीम ने कैप्सूल के साइड हैच को सावधानी से खोला, जो सितंबर के बाद से पहली बार खुला था।

भारतीय बेटी विलियम्स की वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोस्ट कर लिखा क्रू9 का स्वागत है! धरती को आपकी याद आई। यह उनके धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रही है। सुनीता और क्रू9 अंतरिक्ष यात्रियों ने फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का असली मतलब क्या होता है। अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने की हिम्मत करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस रखना। सुनीता, एक पथप्रदर्शक और एक आइकन, ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण

दिया है।

हमें उन सभी पर बहुत गर्व है जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता जुनून से मिलती है और तकनीक दृढ़ता से मिलती है, तब क्या होता है। मूल रूप से, यह मिशन (जो बोइंग के स्टारलाइनर की पहली चालक दल वाली उड़ान होने वाला था) केवल आठ दिनों तक चलने वाला था। हालांकि, स्टारलाइनर कैप्सूल के साथ तकनीकी समस्याओं के कारण, विलियम्स और विलमोर अंतरिक्ष में फंस गए थे।

सुनीता की अविश्वसनीय यात्रा, समर्पण और संघर्ष लाखों लोगों को करेगा प्रेरित

-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विलियम्स और अंतरिक्ष यात्रियों की तारीफ की

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी सदस्यों की अंतरिक्ष में असाधारण उपलब्धियों के लिए तारीफ की। रक्षा मंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा कि नासा के क्रू-9 की पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी से खुश हूं। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्री दल ने अंतरिक्ष में मानव धीरज और दृढ़ता के इतिहास को फिर से लिख दिया है। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स की अविश्वसनीय यात्रा, अटूट समर्पण, दृढ़ता और संघर्ष की भावना पूरी दुनिया में लाखों लोगों को प्रेरित करेगी। उनकी सुरक्षित वापसी अंतरिक्ष प्रेमियों और पूरी दुनिया के लिए जश्न का क्षण है। उनकी हिम्मत और उपलब्धियां हम सभी को गौरवान्वित करती हैं। उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाने के लिए सभी हितधारकों को बधाई और धन्यवाद।

तेलंगाना सरकार ने 2025-26 के लिए 3.05 लाख करोड़ का बजट किया पेश

-हैदराबाद को वैश्विक शहर में बदलने के लिए मास्टर प्लान कर रहे तैयार

हैदराबाद।

तेलंगाना सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए करीब 3.05 लाख करोड़ का बजट पेश किया है।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि अगले दशक के लिए हमारा रणनीतिक रोडमैप मौजूदा 200 बिलियन डॉलर की राज्य अर्थव्यवस्था को पांच गुना बढ़ाकर एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का है। बजट में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के लिए 40,232 करोड़ का प्रावधान किया है। अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के लिए 17,169 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के लिए 11,405 करोड़, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिए 3,591 करोड़ रुपए और महिला एवं बाल कल्याण विभाग के लिए 2,862 करोड़ आवंटित किए गए हैं। वित्त मंत्री मल्लू ने कहा कि हम हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय मानकों के वैश्विक शहर में बदलने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार कर रहे हैं, जिसमें तकनीकी उन्नति, परिवहन विस्तार, बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है। इस विज़न के एक हिस्से के रूप में, हमने हैदराबाद को प्रदूषण मुक्त शहर बनाने के लिए मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू किया है।

मल्लू ने कहा कि तेलंगाना को आधुनिक तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा

और सतत विकास में अग्रणी बनाने के लिए हमने मेगा मास्टर प्लान 2050 तैयार किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना बजट वित्त वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग के लिए 24,439 करोड़ रुपए और शिक्षा के लिए 23,108 करोड़ रुपए का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग को तेलंगाना बजट 2025-26 में 12,393 करोड़ देने का प्रस्ताव है। सिंचाई विभाग को 23,373 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 21,221 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे।

अब दिल्ली स्थित केजरीवाल के शीशमहल का बीजेपी करेगी इस्तेमाल!

गणमान्य व्यक्तियों के लिए स्टेट गेस्ट हाउस बनाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली।

दिल्ली की बीजेपी सरकार 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले का इस्तेमाल करेगी, जिसे बीजेपी ने ही शीशमहल नाम दिया है। अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में सीएम आउस रहे इस बंगले को अब स्टेट गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की ओर से बंगले के रेनोवेशन को लेकर दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी ने आप के खिलाफ प्रचार किया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए एक स्टेट गेस्ट हाउस की जरूरत पड़ती है।

रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि बाकी राज्यों की तरह शहर में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। इसी वजह से 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम फैसले का इंतजार है। फ्लैग स्टाफ रोड सिविल लाइंस इलाके में आता है, जहां राजभवन, दिल्ली विधानसभा और सचिवालय हैं। अधिकारी ने बताया कि 1990 के दशक में 33, शाम नाथ मार्ग पर स्थित एक संपत्ति को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की बात हुई थी लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई।

तब से दिल्ली में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। आप सरकार के तहत 33, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली के थिंक टैंक डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन का पता था, जिसे उसने सरकार की नीतियों पर सलाह देने के लिए बनाया था। 1942 में निर्मित 6, फ्लैग स्टाफ रोड, बंगले में शुरू में एक ऑफिस और पांच बेडरूम थे।

फीबीज पर सदन करे विचार, देश की प्रगति तभी जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो

-राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में रखे अपने विचार

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि प्रलोभन तंत्रों पर, तुष्टिकरण पर, जिसे अक्सर फ्रीबीज के रूप में जाना जाता है, सदन को विचार करने की जरुरत है क्योंकि देश तभी प्रगति करता है जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो। राज्यसभा में बुधवार को उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया ऐसी हो गई है कि ये चुनावी प्रलोभन बन गए हैं। इसके बाद सत्ता में आई सरकारों को इतनी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा कि वे अपनी सोच पर पुनर्विचार करना चाहती थीं। एक राष्ट्रीय नीति की अत्यंत जरुरत है ताकि सरकार के सभी निवेश किसी भी रूप में बड़े हित में उपयोग किए जा सकें।

इससे पहले राज्यसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने सांसद निधि को बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि सांसद निधि को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा जाए। उनका कहना था कि यदि यह संभव नहीं है तो फिर सांसद निधि के प्रावधान को ही खत्म कर देना चाहिए।

यादव का कहना था कि मौजूदा सांसद निधि नाकाफी है, जिसके कारण जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में काम नहीं करवा पाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विधायकों को कुल मिलाकर सांसद से कहीं ज्यादा निधि मिलती है।

सभापति ने फ्रीबीज के मुद्दे पर सदन को विचार करने की बात कही। सभापति ने कहा कि हमारे संविधान में विधायिका, सांसदों, विधायकों के लिए प्रावधान किया गया था, लेकिन एक समान तंत्र नहीं था। इसलिए, आप देखेंगे कि कई राज्यों में विधानसभाएं सदस्यों को सांसदों की तुलना में अधिक भत्ते और वेतन देती हैं, और यहां तक कि पूर्व विधायकों की पेंशन में भी एक से 10 तक का अंतर है। यदि एक राज्य में किसी को एक रुपया मिलता है, तो दूसरे राज्य में पेंशन 10 गुना हो सकती है।

सलार मसूद गाजी की याद में भरने वाला नेजा मेला विवादों में घिरा

-इस साल पुलिस और प्रशासन ने आयोजन की नहीं दी अनुमति

बहराइच।

यूपी के संभल में हर साल सैयद सलार मसूद गाजी की याद में नेजा मेला लगता है। इस साल पुलिस और प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एएसपी ने आयोजकों से कहा कि सलार मसूद गाजी ने सोमनाथ मंदिर लूटा था।

ऐसे व्यक्ति के नाम पर मेले का आयोजन कर उसका गुणगान किया जाना ठीक नहीं है। संभल के अलावा बहराइच में भी सालार मसूद गाजी की दरगाह पर हर साल जेठ मेला लगता है। चर्चा है कि नेजा मेला की तरह जेठ मेला के आयोजन पर भी बैन लग सकता है।

इतिहास के पन्नों को खंगालने पर पता चलता है कि 1034 ईस्वी में बहराइच के पास बहने वाली चित्तौरा झील के किनारे महाराजा सुहेलदेव ने 21 पासी राजाओं के साथ मिलकर सालार मसूद गाजी को हराया था। युद्ध में मारे गए गाजी के शव को बहराइच में ही दफना दिया था। उसकी दरगाह पर हर साल जलसे का आयोजन किया जाता है। मसूद गाजी महमूद गजनवी का भांजा था। अपनी सल्तनत को बढ़ाने के लिए गाजी 1030-31 के दौरान बाराबंकी होते हुए बहराइच और श्रावस्ती पहुंचा था।

1034 ईसवी में मौत के बाद मसूद गाजी की कब्र बहराइच जिले में बनाई गई। वहीं 1250 ईस्वी में दिल्ली के सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद ने इस कब्र पर मजार बनवा दी। लगातार लोगों के यहां मत्था टेकने से जल्द ही मजार की मान्यता दरगाह के रूप में हो गई। धीरे-धीरे यहां देश के कोने-कोने से लोग दस्तक देने लगे। हर साल मई में यहां उर्स भरता है और इस मेले में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग शामिल होते हैं। बहराइच का जेठ मेला हर साल 15 मई से शुरू होकर एक महीने तक चलता है। इस मेले में देश के कई राज्यों से लाखों श्रद्धालु आते हैं। परंपरा के अनुसार जियारत के लिए मजार शरीफ का मुख्य फाटक खोल दिया जाता है।

फॉर्म 6-बी में होगा संशोधन, वोटर आईडी से आधार करना होगा लिंक

-जानकारी साझा नहीं करने वाले मतदाताओं को बतानी होगी वजह

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर बड़ा ऐलान किया है। चुनाव आयोग ने कहा गया कि ईसीआई सुप्रीम कोर्ट के संबंधित फैसलों के मुताबिक ईपीआईसी को आधार से जोड़ने के लिए कदम उठाएगा। ये फैसला मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग और गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय, आईटी मंत्रालय और यूआईडीएआई के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई बैठक में लिया गया।

आयोग ने बयान में कहा कि वोटर आईडी यानी ईपीआईसी को आधार जोड़ा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय निर्वाचन आयोग अपने मतदाता रिकॉर्ड को आधार डाटाबेस से जोड़ने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के साथ मिलकर काम करेगा। वहीं, विधि मंत्रालय फॉर्म 6बी में संशोधन करेगा ताकि यह साफ हो सके कि आधार विवरण प्रदान करना स्वैच्छिक बना रहेगा। हालांकि इस जानकारी को साझा करने से मना करने वाले मतदाताओं को इसके लिए कारण स्पष्ट करना होगा।

एक घंटे तक चली बातचीत में चुनाव आयोग और सरकारी अधिकारियों ने मतदाता डेटाबेस को आधार से जोड़ने के पक्ष-विपक्ष के साथ इससे जुड़ी वैधानिकताओं पर भी चर्चा की। वर्तमान में, आयोग ने 2023 तक 66 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के आधार बांटे हैं, जिन्होंने स्वेच्छा से यह जानकारी दी थी। हालांकि, इन 66 करोड़ मतदाताओं के दो डेटाबेस को लिंक नहीं किया गया है। हालांकि आगे चलकर निर्वाचन आयोग यूआईडीएआई के साथ मिलकर यह पता लगाएगा कि दोनों डाटाबेस को कैसे जोड़ा जाए, कम से कम उन मतदाताओं के लिए जिन्होंने स्वेच्छा से निर्वाचन आयोग को जानकारी दी है।

बैठक में फैसला लिया गया कि फॉर्म 6बी जिसे मतदाताओं की आधार संख्या एकत्र करने के लिए पेश किया गया था को केंद्रीय कानून मंत्रालय द्वारा राजपत्र अधिसूचना के जरिए संशोधित किया जाएगा ताकि इस बात पर अस्पष्टता दूर हो सके कि क्या यह जानकारी साझा करना स्वैच्छिक है। वर्तमान में फॉर्म 6बी में मतदाताओं के लिए आधार न देने के विकल्प नहीं हैं, केवल दो विकल्प दिए गए हैं या तो आधार नंबर दें या घोषित करें कि मैं अपना आधार प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हूं क्योंकि मेरे पास आधार संख्या नहीं है।

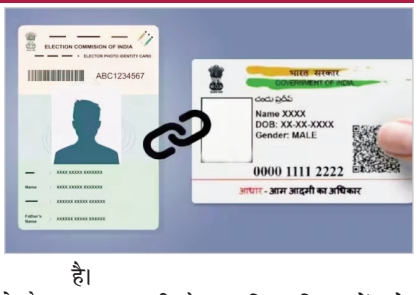

जानकारी के मुताबिक विकल्पों को हटाने के लिए इसमें संशोधन किया जाएगा, लेकिन मतदाता को यह स्पष्टीकरण देना होगा कि वह अपनी 12 अंकों वाली विशिष्ट पहचान संख्या क्यों नहीं दे रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम करता है जन औषधि

घरेलू गौरैया दुनिया में सबसे व्यापक और सामान्य तौर पर देखा जाने वाला जंगली पक्षी है।इसे यूरोपीय लोगों द्वारा दुनिया भर में पहुँचाया गया और अब इसे न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, भारत और यूरोप सहित दुनिया के दो-तिहाई भूभाग पर देखा जा सकता है।यह केवल चीन, इंडो-चीन, जापान एवं साइबेरिया और पूर्वी व उष्णकटिबंधीय अफ्रीका आदि क्षेत्रों में अनुपस्थित है। दुनियाभर में गौरैया की दर्जनों प्रजातियां हैंलेकिन भारत में हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, सिउ स्पैरो, रसेट स्पैरो, डेट सी स्पैरो व ट्री स्पैरों मिल जाती हैं जिनमें इनमें सबसे अधिक हाउस स्पैरो बहुतायत हैं। गौरैया एक बहुत छोटा पक्षी है जिसका वजन 25 से 40 ग्राम और लंबाई 15 से 18 सेमी होती है जो 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है।

(लेखक - हर्षवर्धन पाण्डे)

(विश्व गौरैया दिवस पर विशेष)

विश्व गौरैया दिवस की अवधारणा की कल्पना एक भारतीय पर्यावरणविद् मोहम्मद दिलावर ने की थी। भारत और दुनिया भर में गौरैयों की आबादी में तेजी से गिरावट के बारे में चिंतित दिलावर ने 2005 में नेचर फॉरएवर सोसाइटी की स्थापना की जो घरेलू गौरैया और अन्य सामान्य वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध एक गैर-लाभकारी संगठन है। पहला विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च, 2010 को मनाया गया था। गिरती गौरैया की आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व गौरैया दिवस का बहुत महत्व है। यह दिन पर्यावरण के साथ गौरैयों के परस्पर जुड़ाव, जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने पर जोर देता है। यह सामुदायिक जुड़ाव, शैक्षिक कार्यक्रमों और नीति की वकालत के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है,जिसमें गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया जाता है।

घरेलू गौरैया दुनिया में सबसे व्यापक और सामान्य तौर पर देखा जाने वाला जंगली पक्षी है।इसे यूरोपीय लोगों द्वारा दुनिया भर में पहुँचाया गया और अब इसे न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, भारत और यूरोप सहित दुनिया के दो-तिहाई भूभाग पर देखा जा सकता है।यह केवल चीन, इंडो-चीन, जापान एवं साइबेरिया और पूर्वी व उष्णकटिबंधीय अफ्रीका आदि क्षेत्रों में अनुपस्थित है। दुनियाभर में गौरैया की दर्जनों प्रजातियां हैंलेकिन भारत में हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, सिउ स्पैरो, रसेट स्पैरो, डेट सी स्पैरो व ट्री स्पैरों मिल जाती हैं जिनमें इनमें सबसे अधिक हाउस स्पैरो बहुतायत हैं। गौरैया एक बहुत छोटा पक्षी है जिसका वजन 25 से 40 ग्राम और लंबाई 15 से 18 सेमी होती है जो 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है।

गौरैया मादाओं की तुलना में अधिक रंगीन होती हैं जिनके पंखों पर काले, सफेद और भूरे रंग के निशान होते हैं। गौरैयाको उनके मधुर गीतों के लिए जाना जाता है, जिनका उपयोग वे साथियों को आकर्षित करने और अपने क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए करते हैं। एक गौरैया का औसत जीवनकाल 2 -3 वर्ष है लेकिन कुछ व्यक्ति 5 वर्ष या उससे अधिक तक जीवित रह सकते हैं। गौरैया अपने पूरे जीवन में केवल एक ही साथी के साथ संभोग करती हैं। वे अक्सर साल दर साल एक ही घोंसले के स्थान पर लौटते हैं। घरेलू गौरैया मादा हर साल 4 से 5 अण्डे देती है जिनमें से 12 से 15 दिन बाद बच्चों का जन्म होता है। इनकी एक महत्वपूर्ण क्षमता होती है यह आकाश में उड़ने के साथ-साथ पानी के भीतर तैरने की क्षमता भी रखते हैं। गौरैया झुंडों के रूप में जानी जाने वाले घरों में रहती हैं। गौरैया अपने घोंसले का निर्माण खुद से कर लेती हैं। हाउस स्पैरो मानव आवास के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं। नर गौरैया की गर्दन पर काली पटटी व पीठ का रंग तम्बाकू जैसा होता है जबकि मादा की पीठ पर पटटी भूरे रंग की होती है। इनका जीवन सरल घर बनाने की जिम्मेदारी नर की व बच्चों की जिम्मेदारी मादा की होती है।

मौजूदा दौर में गौरैया की आबादी में गिरावट के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिनमें शहरीकरण और निर्माण में कंक्रीट के बढ़ते उपयोग के कारण हरित स्थानों में उल्लेखनीय कमी आई है जिससे गौरैया को उनके प्राकृतिक आवासों से वंचित कर दिया गया है। वायु और जल प्रदूषण गौरैया के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। दूषित जल स्रोत और प्रदूषकों से भरी हवा इन पक्षियों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। कृषि और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों का उपयोग गौरैयों पर हानिकारक प्रभाव डाल रहा है। खेती में मौजूदा दौर में होने वाले रासायनिक उर्वरकों और मोनोकल्चर के उपयोग सहित आधुनिक कृषि पद्धतियाँ गौरैया के लिए खाद्य स्रोतों की उपलब्धता को प्रभावित कर दिया है।

गौरैया विलुप्त होने का मुख्य कारण शहरीकरण, रासायनिक प्रदूषण और रेडिएशन को माना जा रहा है। मोबाइल फोन, टॉवरों से निकलने वाली रेडियेशन भी बड़े

पैमाने पर गौरैया की मृत्यु के कारण बन रहा है। लगातार हो रहे शहरीकरण, पेड़ों के कटान और फसलों में रासायनिक का छिड़काव गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहा है। फसलों में पड़ने वाले कीटनाशक खतरनाक होते हैं। गौरैया न सिर्फ हमारे आसपास की खूबसूरती का हिस्सा है, बल्कि पर्यावरण के संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

ये कीड़े मकोड़ों को खाकर फसलों की रक्षा करती हैं। हम गौरैया के अनुकूल आवास बनाकर गौरैयों के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। इसमें घौंसले स्थापित करना, जल प्रदान करना और देशी पेड़ और झाड़ियाँ लगाने का योगदान दे सकते हैं।

जैविक और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों के उपयोग को कम करने से गौरैयों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिल सकती है। गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और इनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान जनसमुदाय द्वारा चलाये जाने चाहिए। पर्यावरण संरक्षण, हरित स्थानों और टिकाऊ शहरी नियोजन को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत एक अधिक गौरैया-अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान कर सकती है। गौरैया संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से एक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

गौरैया का पृथ्वी पर प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में भी बड़ा योगदान है। बदलते परिवेश में गौरैया अब ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक देखने को नहीं मिल रही है। दुर्भाग्य की बात है कि इनकी तादात धीरे-धीरे कम हो गई है। पिछले 15 सालों में गौरैया की संख्या में 70 से 80 फीसदी तक की कमी आई है इसलिए जरूरी है इसके संरक्षण के लिए हम सभी अपनी छत पर पर्याप्त दाना-पानी रखें।

इसके साथ ही अपने घरों के सास पास अधिक से अधिक पेड़ और पौधे लगाएं। कृत्रिम घोंसलों का निर्माण करें जिससे स्वछंद होकर वे विचरण कर सके। आज जब गौरैया के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं तब ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि इस नन्हीं सी चिड़िया को बचाने में हम अपना अहम योगदान दें।

सपादकीय

गर्मी के तल्ख तेवर

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

भारत सक्षम है खुशी के उजालों को उद्घाटित करने में

(लेखक- ललित गर्ग)

(अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस- 20 मार्च, 2025)

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस हर साल 20 मार्च को मनाया जाने वाला एक वैश्विक आयोजनात्मक एवं प्रयोजनात्मक दिवस है, जिसका उद्देश्य खुशी, खुशहाली के साथ एक अधिक प्रसन्न, दयालु एवं शांतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा देना है। यह लोगों के जीवन में खुशी के महत्व को मनाने और पहचानने तथा व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों को खुशी और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने का दिन है। संयुक्त राष्ट्र ने 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया, यह दिन पहली बार 2013 में मनाया गया था और तब से, यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। यह दिवस कोरा दिवस नहीं, एक आन्दोलन है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी एक मौलिक मानव अधिकार है और खुशी और कल्याण को बढ़ावा देने से एक अधिक शांतिपूर्ण, न्यायसंगत और टिकाऊ दुनिया बन सकती है। यह जीवन को बदलने और दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुशी की शक्ति का जश्न मनाने का दिन है। इस वर्ष की थीम 'एक साथ खुश रहो' है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि खुशी पाने के लिए दूसरों से जुड़ाव महसूस करना और किसी बड़ी चीज का हिस्सा बनना यानी बड़ी सोच-बड़े कदम जरूरी है। हम खुशी की मशाल को आगे बढ़ाएं, जहाँ भी हम जाएँ, खुशियाँ फैलाएँ, खुशियों का संसार गढ़े।

संयुक्त राष्ट्र ने 20 मार्च को विश्व प्रसन्नता दिवस के अवसर पर विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 जारी की, जिसमें भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है। भारत लीबिया, इराक, पाकिस्तान, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से पीछे है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ सातवां सबसे बड़ा भू-भाग रखने वाले भारत की तुलना दुनिया के छोटे-छोटे, निम्न आबादी एवं कम चुनौतियों का सामना करने वाले देशों से कैसे की जा सकती है? खुशहाली को महज आर्थिक प्रगति और संसाधनों की अधिकता के मद्देनजर देखा जाना भी कैसे उपयुक्त माना जा सकता है। जिन देशों को खुशहाल बताया गया है वहां आबादी, चुनौतियां बहुत कम हैं तथा धार्मिक संघर्ष भी नहीं है। ऐसे छोटे देशों की सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता। उनकी तुलना बड़ी-बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे भारत जैसे विशाल देश से कैसे की जा सकती है?

वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट में भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने एवं औद्योगिक-तकनीकी क्रांति जैसे कुछ चमकीले परिदृश्य को ध्यान में नहीं रखा गया है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक सहित दुनिया के कई संगठन अपने शोध पत्रों के आधार पर सराहना कर रहे हैं। भारत में मानव विकास के तहत गरीबी में कमी लाने के प्रयास को भारी सफलता मिली है। पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। भारत आम आदमी को डिजिटल दुनिया से जोड़ने वाला विश्व का प्रमुख देश बना है। सबसे अहम बात भारत की संस्कृति एवं सभ्यता में प्रसन्नता के मौलिक तत्व एवं गुण निहित है, जिनको अपनाकर दुनिया तनावमुक्त, प्रसन्न होती है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है।

खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं, संसाधनों से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। प्रसन्न समाज निर्माण के सन्दर्भ में विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। खुशहाल भारत को निर्मित करने के लिये आइये! अतीत को हम सीख बनायें। उन भूलों को न दोहरायें जिनसे हमारी रचनाधर्मिता जख्मी हुई है। जो सबूत बनी हैं हमारे असफल प्रयत्नों की, अधकचरी योजनाओं की, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों की, सही सोच और सही कर्म के अभाव में मिलने वाले अर्थहीन परिणामों की। एक सार्थक एवं सफल कोशिश करें खुशहाली को पहचानने की, पकड़ने की और पूर्णता से जी लेने की। अन्यथा नकारात्मक सोच के घनघोर अंधेरों के बीच तो चेहरे बुझे-बुझे ही रहेंगे। न कुछ जोश होगा न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय ओर खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। ऐसे माहौल में व्यक्ति खुशहाल कैसे हो सकता?

यह समय की मांग है कि देश में करोड़ों लोगों की गरीबी, भूख, कुपोषण, डिजिटल शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, ग्रामीण युवाओं के तकनीकी प्रशिक्षण और स्वास्थ्य की चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करे। ऐसे प्रयासों से ही आम भारतीय के चेहरे पर मुस्कुराहट बढ़ेगी, देश में खुशहाली आएगी। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने नए मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहा है। पिछले एक वर्ष में भारतीयों की औसत आमदनी में 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

भारत में जीवन प्रत्याशा में शानदार वृद्धि हुई है। कुछ वर्ष पहले भारत में जीवन प्रत्याशा का औसत 62.2 था, जो अब बढ़कर 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी सफलता पाई है।

(चिंतन-मनन)

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

विचार मंथन

सरकारों ने पुलिसबल के पंजे नोचकर अक्षम बनाया?

(लेखक- सनत जैन)

सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश पुलिस के 50000 सिपाही, हेड कांस्टेबल, एसआई, एएसआई, तथा टाउन इंस्पेक्टर बगावत की मुद्रा में हैं। मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पुलिस न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए सोशल मीडिया पर उतरी है। कानून व्यवस्था की स्थिति में पुलिस को भाजपा के आनुवांशिक संगठनों तथा भीड़तंत्र द्वारा पुलिस पर हमले किये जा रहे हैं। उससे पुलिसकर्मियों को दोहरी मार झेलना पड़ रही है। भीड़ में पुलिस पिट रही है। पुलिस का भय खत्म होता जा रहा है। सरकारें भी भीड़ के दबाव में पुलिसकर्मियों को दंडित करती हैं। इससे पुलिसबल नाराज है। मध्यप्रदेश के मऊगंज में एएसआई की हत्या और इंदौर में वकीलों द्वारा पुलिस के साथ हाल ही में मारपीट के मामले ने मध्य प्रदेश की पुलिस को उत्तेजित कर दिया है। इंदौर में वकीलों और पुलिस की झड़प में पुलिस बल के कुछ लोगों को निलंबित किए जाने से नाराज पुलिस बल ने सोशल मीडिया मे ब्लैक होल की तस्वीर लगाकर विरोध करना शुरू कर दिया है। छतरपुर के सब इंस्पेक्टर अवधेश कुमार दुबे ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उल्लेख है, क्यों पुलिस भीड़ तंत्र का शिकार बन रही है। हमें ऐसा लग रहा है कि हमारे पंजे नोच लिए गए हैं। क्या वक्त आ गया है। हमसे कहा जा रहा है, तीर चलाओ और परिंदों को भी बचाओ। सोशल मीडिया में पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई है। एक बार पुलिस बल की ओर भी देखिए। हमारा दम्भ तो जिंदा रहने दीजिए। मऊगंज में आदिवासियों के हमले में शहीद एएसआई रामचरण गौतम की मौत के बाद मध्य प्रदेश पुलिस में बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। पिछले कुछ वर्षों से भीड़ के द्वारा पुलिस बल पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में आम लोगों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी से जुड़े अनुवांशिक संगठन के कार्यकर्ता भी समय-समय पर सड़क और थाने के अंदर घुसकर जिस तरह का व्यवहार पुलिस के साथ करते हैं, उससे पुलिस का मनोबल लगातार गिर रहा है। देश के अधिकांश राज्यों में यही स्थिति है। पुलिस के ऊपर भीड़ द्वारा दबाव बनाया जाता है। पुलिस के ऊपर भीड़ हिंसक हमले करती है। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भीड़ दबाव बनाकर पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करती है। उसके बाद ट्रांसफर, निलंबन इत्यादि की कार्रवाई से पुलिसकर्मी नाराज हैं। पिछले कुछ वर्षों में सभी राज्यों में भीड़ द्वारा पुलिस को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पुलिस की कोई गलती भी नहीं होती है। कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए कभी-कभी उसे बल का प्रयोग भी करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में शासन का संरक्षण मिलने के स्थान पर पुलिसकर्मियों के ऊपर ही कार्रवाई की जाती है। भीड़ और सरकार का गुस्सा पुलिसकर्मियों पर ही फूटता है। पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बहुत खराब हो गई है। पुलिस खड़े-खड़े या तो तमाशा देखती रहे? या स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए वह बल का प्रयोग करे। खामियाजा पुलिसकर्मियों को ही भुगतना पड़ रहा है। धीरे-धीरे पुलिस की नाराजी बढ़ती जा रही है। पुलिस सोशल मीडिया में आकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रही है। पुलिसकर्मियों की शिकायत है, पुलिस बल का उपयोग अब कानून व्यवस्था के स्थान पर राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया जा रहा है। अपराधी प्रकृति के लोग राजनेता बनकर घूम रहे हैं। वह पुलिस के ऊपर समय-समय पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुलिसकर्मियों को संरक्षण नहीं दिया जाता है। पुलिस खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में पुलिस बगावत की मुद्रा में आ गई है। पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अनुवांशिक संगठनों के कार्यकर्ता और राजनेता पुलिस के ऊपर ऐसे कामों को करने के लिए दबाव बनाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडसइंड बैंक को लेकर हिंदुजा समूह का आया बयान, शेयरधारकों को मिली राहत

मुंबई। इंडसइंड बैंक ने अपने प्रमोटर्स से कोई नई पूंजी नहीं मांगी है। हालांकि डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी के बाद बैंक की कुल संपत्ति में भारी नुकसान हुआ है। आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने यह जानकारी दी। हिंदुजा समूह की निवेश इकाई आईआईएचएल को हाल ही में इंडसइंड बैंक में अपनी हिस्सेदारी 16 से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। हिंदुजा के अनुसार, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) ने जरूरत पड़ने पर बैंक में पूंजी डालने की बात कही है। आईआईएचएल इंडसइंड बैंक की प्रवर्तक है। उन्होंने कहा कि बैंक ने नई पूंजी डालने की मांग नहीं की है, क्योंकि कुल पूंजी पर्याप्तता 15 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि शेयर की कीमत में गिरावट को देखकर प्रवर्तकों के लिए अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का यह सही समय है। इसके पहले आरबीआई कह चुका है कि इंडसइंड बैंक में जमाकर्ताओं का पैसा पूरी तरह सुरक्षित है। उधर, ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने बैंक के शेयरों को डाउनग्रेड किया है। रेटिंग्स एजेंसी ने इंडसइंड बैंक की रेटिंग की पुष्टि की और इसके बेसलाइन क्रेडिट असेसमेंट (बीसीए) को डाउनग्रेड करने के लिए समीक्षा पर रखा। हालांकि, रेटिंग्स एजेंसी का इंडसइंड बैंक की लॉन्ग टर्म रेटिंग पर नजरिया स्थिर बना हुआ है। बैंक के डेरिवेटिव लेनदेन में मिली गड़बड़ी रिटेल अनसिक्योर्ड लोन को लेकर चल रहे तनाव के साथ, बैंक के मुनाफे, पूंजी और वित्तपोषण को प्रभावित कर सकता है।

वोडा आईडिया ने लॉन्च की 5जी, शुरुआती ऑफर 299 रुपए से

नई दिल्ली। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से भारत में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर दी। कंपनी ने बताया कि उसने 5जी सेवाओं की शुरुआत मायानगरी मुंबई से की है और जल्द ही पांच और शहरों में यह सेवा शुरू की जाएगी। टेलीकॉम कंपनी इस नई सेवा के जरिए ग्राहकों के पलायन को रोकने और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाजार में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रही है। बाजार खुलते ही वोडा आईडिया (वीआई) के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि वीआई का 5जी शुरुआती ऑफर 299 के प्लान से शुरू होता है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। यह ऑफर बाजार में सबसे किफायती विकल्प है। नई 5जी सेवा से वीडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी ऐप्स, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग का अनुभव बेहतर होगा। इसके साथ ही डाउनलोडिंग की स्पीड भी बढ़ेगी। हालांकि इस शुरुआती ऑफर की अवधि को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए वीआई ने नोकिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने अपने 5जी नेटवर्क में नई पीढ़ी के उपकरणों को शामिल किया है, जो न केवल हल्के हैं बल्कि ऊर्जा-कुशल भी हैं, जिससे नेटवर्क अधिक सस्टेनेबल बनता है। इसके अलावा, वीआई ने एआई-आधारित सन सिस्टम भी तैनात किया है, जो नेटवर्क प्रदर्शन को लगातार ऑप्टिमाइज़ करता है ताकि उपभोक्ताओं को बेहतरीन अनुभव मिल सके। पिछले 12 महीनों में वीआई ने लगभग 26,000 करोड़ की इक्विटी जुटाई है, जिसमें भारत का सबसे बड़ा एफपीओ 18,000 करोड़ और प्रमोटर का 4 हजार करोड़ का योगदान शामिल है। इस फंडिंग से कंपनी अपने कैपेक्स को तेजी से बढ़ाने में सक्षम हुई है।

ब्रिटेन के हाई स्ट्रीट बैंक स्टैण्डर्ड बंद करेगा अपनी 95 शाखाएं

लंदन। ब्रिटेन के हाई स्ट्रीट बैंक स्टैण्डर्ड ने अपनी 95 शाखाओं को बंद करने का फैसला किया है। फैसले से बैंक के कई ग्राहकों को असुविधा हो सकती है, जबकि 750 कर्मचारियों की नौकरियां खत्म होगी। इसके अलावा, बैंक ने कुछ शाखाओं के कामकाज के घंटे भी घटाने का निर्णय लिया है। इस बदलाव के तहत 18 शाखाओं को काउंटर-फ्री बैंक में बदला जाएगा, जहां कोई कैश काउंटर नहीं होगा। वहीं, 36 शाखाओं के कामकाज के घंटे कम किए जाएंगे। बैंक की कुल शाखाओं की संख्या अब घटकर 290 रह जाएगी, जबकि फिलहाल स्टैण्डर्ड की 444 शाखाएं हैं। इसके अलावा, बैंक 5 वर्क कैफे भी खोलेगा, जहां ग्राहकों को फ्री को-वर्किंग स्पेस उपलब्ध कराया जाएगा।ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक ने यह विकल्प दिया है कि जिन शाखाओं को बंद किया जा रहा है, उनके ग्राहक स्टैण्डर्ड के कम्युनिटी बैंकर्स से संपर्क कर सकते हैं, जो स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं देने वाले है। साथ ही, ग्राहक नजदीकी पोस्ट ऑफिस या बैंकिंग हब का उपयोग कर नकद जमा, निकासी और अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

भारत को सर्विसेज ट्रेड सरप्लस और रेमिटेंस के मजबूत प्रवाह से लाभ हो रहा

नई दिल्ली।

एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत को सर्विसेज ट्रेड सरप्लस और रेमिटेंस के मजबूत प्रवाह से लाभ हो रहा है। उम्मीद है कि ये करंट अकाउंट को सुरक्षित जोन उपलब्ध कराएगा। रिपोर्ट में बताया गया है, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 1.3 प्रतिशत रहेगा। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-फरवरी के दौरान सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 354.90 बिलियन डॉलर था, जो 2023-24 की समान अवधि में 311.05 बिलियन डॉलर से अधिक रहा है।जनवरी में सेवा निर्यात में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सेवा आयात वृद्धि 13.8 से घटकर 12.6 प्रतिशत रह गई। जनवरी में सर्विसेज ट्रेड सरप्लस 18 बिलियन डॉलर रहा, जबकि एक साल पहले सामान अवधि में यह 16.2 बिलियन डॉलर था, लेकिन दिसंबर में 19.1 बिलियन डॉलर से थोड़ा कम हुआ। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान भारत के माल और सेवाओं दोनों के संचयी निर्यात में 6.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 706.43 बिलियन डॉलर की तुलना में इस बार 750.53 बिलियन डॉलर हो गया।अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान माल निर्यात का संचयी मूल्य 395.63 बिलियन डॉलर था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 395.38 बिलियन डॉलर था, जो 0.06 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस 11 महीने की अवधि के दौरान सेवा आयात का अनुमानित मूल्य 183.21 बिलियन डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 161.71 बिलियन डॉलर था।ो दर्शाता है। टेक महिंद्रा के एक अे धिकारी ने टेक्सास को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक उभरती हुई शक्ति बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.37 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह रुपया 86.52 रुपये पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 26 पैसे बढ़कर 86.55 रुपये पर बंद हुआ। इस प्रकार रुपया मजबूत होकर लगभग दो महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। घरेलू मुद्रा को विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की बिक्री और सीजनल इनफ्लो से समर्थन मिला। जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय से पहले क्षेत्रीय समकक्ष मुद्राओं में गिरावट आई थी।गत दिवसा शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मुद्रा में तेजी सीमित रही क्योंकि निवेशक बढ़ती वैश्विक व्यापार चिंताओं के संभावित आर्थिक प्रभाव से जूझ रहे हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.71 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 103.56 पर रहा।

भारत का ऑटो कंपोनेंट निर्यात में 21.2 अरब डॉलर के पार, बीते कुछ वर्षों में मजबूत वृद्धि

इन देशों में हो रहे निर्यात जर्मनी, बांग्लादेश, यूएस, यूके, यूएई, तुर्कीये

मुंबई। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत के बढ़ते महत्व के कारण ऑटो कंपोनेंट के निर्यात में बीते कुछ वर्षों में मजबूत वृद्धि दिखाई दी है। देश में बने बाइक पार्ट्स के निर्यात के लिए प्रमुख गंतव्य स्थान जर्मनी, बांग्लादेश, यूएस, यूके, यूएई, ब्राजील, तुर्कीये और श्रीलंका और अन्य देश शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में देश से ऑटो कंपोनेंट का निर्यात 21.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2018-19 के 2.5 अरब डॉलर के घाटे से बढ़कर 300 मिलियन डॉलर के सरप्लस तक एक महत्वपूर्ण बदलाव को दिखाता है। इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य पा सकती है, क्योंकि वैश्विक मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं और विनिर्माण रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, जिससे भारत के पास खुद को एक शीर्ष वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने का मौका है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका और यूरोप के बाजारों पर ध्यान केंद्रित कर 11 प्रोडक्ट फैमिली को प्राथमिकता देकर संभावित रूप से 40-60 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि स्थानीयकरण के माध्यम से उभरते ईवी और इलेक्ट्रॉनिक वैल्यू चेन का लाभ उठाकर भारत बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, टेलीमैटिक्स इकाइयों, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एबीएस जैसे कंपोनेंट को बनाकर अतिरिक्त 15-20 अरब डॉलर का निर्यात कर सकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। इससे लगातार तीसरे कारोबारी दिन बाजार ऊपर आये हैं। रियल्टी और पीएसयू बैंक सेक्टर में तेजी ने बाजार को ऊपर की तरफ खींचा। हालांकि, आईटी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 147.79 अंक करीब 0.20 फीसदी बढ़कर 75,449.05 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 73.30 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी की बढ़त लेकर 22,907.60 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी एफएमसीजी और आईटी को छोड़कर एनएसई पर सभी इंडेक्स हरे निशान पर रहे।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी के 31 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें श्रीराम फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स, टाटा स्टील और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयरों में 3.91 फीसदी तेजी रही जबकि महिंद्रा, ब्रिटानिया, टीसीएस, इंफोसिस और सन फार्मा के 19 शेयरों में गिरावट रही। ये 2.32 फीसदी तक गिरे।

वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 1,131 अंक या 1.5 प्रतिशत बढ़कर 75,301 पर बंद हुआ था और एनएसई निफ्टी 325.5 अंक या 1.45 प्रतिशत चढ़कर 22,834 पर बंद हुआ था। इस बीच, घरेलू बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 694.57 करोड़ रुपये के भारतीय शेयर ख़रीदे थे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में पीएसयू बैंक और धातु क्षेत्रों में खरीदारी रही। सुबह सेंसेक्स 17.21 अंक करीब 0.02 फीसदी बढ़कर 75,318.47 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 4.65 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी बढ़कर 22,838.95 पर था।

निफ्टी बैंक 271.95 अंक या 0.55 फीसदी बढ़कर 49,586.45 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 477.40 अंक या 0.96 फीसदी बढ़कर 49,994.30 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.30 अंक या 0.89 फीसदी उछलकर 15,512.00 पर था।

वहीं अमेरिकी बाजारों की बात करें तो पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ ही 41,581.31 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 5,614.66 पर और नैस्डैक 1.71 फीसदी की गिरावट के साथ 17,504.12 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में केवल चीन के बाजार में गिरावट रही जबकि जापान, सोल, हांगकांग, जकार्ता और बैंकॉक के शेयरों में तेजी रही।

कोल इंडिया लिमिटेड की सेबी से गुजारिश, जुर्माना माफ कर दे

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बीएसई और एनएसई से कंपनी पर लगे जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया है। सीआईएल पर जुर्माना लगाया जा रहा है, क्योंकि कंपनी ने अपने बोर्ड में एक महिला सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की नियुक्ति के लिए सेबी के मानदंड का पालन नहीं किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) प्रत्येक ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए सेबी विनियम, 2015 (सेबी एलओडीआर) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के लिए सीआईएल पर 9.7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से कहा गया कि सेबी विनियमों के संबंध में गैर-अनुपालन न तब कंपनी द्वारा किसी लापरवाही या चूक के कारण था और न ही सीआईएल के प्रबंधन के नियंत्रण में था। अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास भी किए थे। सीआईएल ने कहा है कि यह कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सरकारी कंपनी है। कोल इंडिया के एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, सभी बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति अध्यक्ष द्वारा होती है।

इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल

के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। सीआईएल अपने बोर्ड में एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए कोयला मंत्रालय के साथ नियमित रूप से मामले का फॉलो अप ले रहा है।

जीरोधा ओवरनाइट फंड लॉन्च, 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं

नई दिल्ली।

म्युचुअल फंड हाउस जीरोधा ने बुधवार को जीरोधा ओवरनाइट फंड लॉन्च किया। यह एक ओपन एंडेड डेट स्कीम है जो ओवरनाइट सिक्योरिटीज में निवेश करती है। इस स्कीम में तुलनात्मक रूप से कम ब्याज दर जोखिम और कम क्रेडिट जोखिम होता है। यह एनएफओ बुधवार से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। निवेशक 2 अप्रैल 2025 तक इस न्यू फंड ऑफर में पैसा लगा सकते हैं।जीरोधा म्युचुअल फंड के इस न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेशक मिनिमम 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं, और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही कोई एग्जिट लोड है। इस स्कीम का बेंचमार्क हैं। केदारनाथ मिरजकर इस एनएफओ के फंड मैनेजर हैं। फंड हाउस के मुताबिक निवेश का मकसद हासिल करने के लिए यह एनएफओ मुख्य रूप से थर्ड-पार्टी रेपो, डेट, मनी मार्केट सिक्योरिटीज, कैश और कैश इक्विवेलेंट्स में निवेश करेगी, जिनकी मैच्योरिटी एक रात की होगी। इस स्कीम का प्राथमिक उद्देश्य कम जोखिम के साथ रिटर्न जनरेट करना और उच्च स्तर की लिक्विडिटी प्रदान करेगी। इसके अलावा यह स्कीम सेबी रेजुलेशन, 1996 के तहत अन्य म्युचुअल फंड स्कीम्स में भी निवेश कर सकती है।

733.04 करोड़ रुपये का मिला ऑर्डर.....राकेट बना पावर जेनरेशन कंपनी का शेयर

मुंबई।

पावर जेनरेशन सेक्टर की कंपनी इंसोलेशन एनर्जी के शेयर में बुधवार को बाजार खुलते ही जोरदार उछाल दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में यह पावर स्टॉक करीब 8 फीसदी तक बढ़ा। दरअसल, इंसोलेशन एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इनसोलेशन ग्रीन एनर्जी प्रायवेट लिमिटेड को सोलर पीवी मॉड्यूल की सप्लाई के लिए 733.04 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा सिंगल बिक्री ऑर्डर मिला है।

पावर जेनरेशन कंपनी को दमदार ऑर्डर की खबर का असर स्टॉक पर दिखाई दिया। बुधवार को शेयर में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 260 रुपये पर कारोबार शुरू हुआ। मंगलवार को शेयर 256.50 पर बंद हुआ था। थोड़ी ही देर में स्टॉक करीब 7.9 फीसदी की जोरदार उछाल के साथ 276.95 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। बीते सालभर में स्टॉक का रिटर्न करीब 100 फीसदी रहा है। जबकि दो साल में 2150 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह शेयर मार्केट रेगुलेटर सेबी और एक्सचेंज के अतिरिक्त निगरानी उपाय स्टेज 1 में है। स्टॉक में काफी उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला यह अपने 52 हफ्ते के हाई (475) से करीब 46 फीसदी गिरावट पर कारोबार कर रहा है।

इंसोलेशन एनर्जी ने बताया कि उसकी सहायक कंपनी इंसोलेशन ग्रीन एनर्जी को सोलर पीवी मॉड्यूल की सप्लाई के लिए 733.04 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा सिंगल बिक्री ऑर्डर मिला है।

जानकारी के मुताबिक, केपीआई ग्रीन एनर्जी ने इंसोलेशन ग्रीन एनर्जी प्रायवेट लिमिटेड में जीयूवीएनएल में उनकी प्रोजेक्ट के लिए सोलर पीवी मॉड्यूल एन टाइप बीआई फेशियल (जी टू जी) की सप्लाई के लिए जीएसटी सहित कुल 513.13 करोड़ रुपये का खरीद ऑर्डर (पीओ) दिया है। इसके अलावा केपीआई ग्रीन एनर्जी ने इंसोलेशन ग्रीन एनर्जी प्रायवेट लिमिटेड में जीयूवीएनएल फेस-2 में उनकी प्रोजेक्ट के लिए सोलर पीवी मॉड्यूल एन टाइप बीआई फेशियल (जी टू जी) की सप्लाई के लिए जीएसटी सहित कुल 219.91 करोड़ रुपये ऑर्डर गया है। दोनों ही ऑर्डर में प्रोडक्ट की डिलीवरी जून 2025 से मार्च 2026 के बीच होगी।

सीसीआई ने एडवरटाइजिंग एजेंसियों, ग्रुपएम समेत कई जगहों पर मारे छापे

नइदिल्ली।

कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कार्रवाई करते हुए ग्रुपएम, डेंट्सु, इंटरपब्लिक ग्रुप सहित कई ग्लोबल एडवरटाइजिंग एजेंसियों और एक ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री ग्रुप के कार्यालयों पर छापे मारे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई कीमतों को लेकर कथित मिलीभगत के आरोप में इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने करीब 10 स्थानों पर तलाशी ली। यह मामला एडवर्टाइजिंग एजेंसियों और बड़े ब्रॉडकास्टर्स के विज्ञापन के रेट और डिस्काउंट तय करने में मिलीभगत करने से जुड़ा है।

छापेमारी मुंबई, नई दिल्ली और गुरुग्राम में की गई। सीसीआई ने हाल ही में इस मामले में केस दर्ज किया था। सूत्रों ने बताया कि ग्रुपएम के मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित ऑफिस बाय 99 को सीसीआई अधिकारियों ने घेर लिया है और जांच जारी है। यह जांच कई महीनों तक चल सकती है और इस दौरान पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखा गया है। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल फाउंडेशन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई भी अपनी इनफोर्समेंट कार्रवाई या प्राइस में मिलीभगत से जुड़े मामलों को सार्वजनिक नहीं करता।

इससे पहले दिसंबर 2024 में सीसीआई ने एल्कोहल इंडस्ट्री के दिग्गज पर्नो रिकार्ड और एन्हेसर-बुश इनबेव के कार्यालयों पर छापा मारा था।

यह कार्रवाई साउथ इंडिया के एक राज्य में रिटेल विक्रेताओं के साथ मूल्य मिलीभगत के आरोपों को लेकर की गई थी।

गूगल क्लाउड बिजनेस को मजबूत देगा स्टार्टअप विज, अल्फाबेट ने किया खरीदने का ऐलान

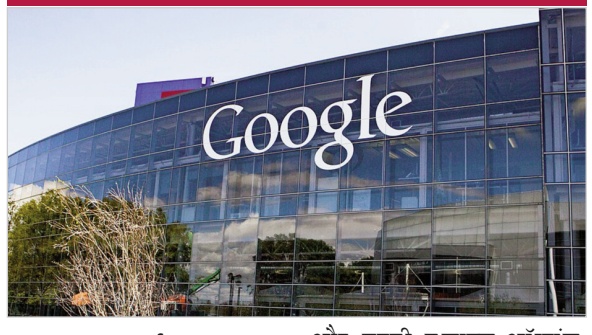

मुंबई।

गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने न्यूयॉर्क की एक बड़ी साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप विज को 32 अरब डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपये) में खरीदने की तैयारी कर ली है। यह गूगल के 26 साल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कैश डील है। इसके जरिए कंपनी अपने गूगल क्लाउड बिजनेस को और मजबूत करना चाहती है। फिलहाल सेक्टर में अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट का बोलबाला है। अल्फाबेट का कहना है कि लेनदेन पूरा होने के बाद विज को गूगल क्लाउड का हिस्सा बनाया जाएगा। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, गूगल हमेशा से साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देता आया है। आज बिजनेस और सरकारें पहले से ज्यादा सुरक्षित क्लाउड सॉल्यूशंस और मल्टी-क्लाउड ऑप्शंस चाहती हैं। गूगल क्लाउड और विज मिलकर क्लाउड सिक्योरिटी को नए लेवल पर ले जाएंगे।

4 साल पुरानी कंपनी विज रिमोट डेटा सेंटर में स्टोर जानकारी को घुसपैठियों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा टूल्स बनाती है। बीते कई महीनों से विज पर गूगल की नजरें टिकी हुई थीं। पिछले साल जुलाई में विज ने गूगल की तरफ से रखे गए 23 अरब डॉलर के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

बताया जाता है कि साइबर सिक्योरिटी कंपनी विज बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। साल 2023 में इसका सालाना रेवेन्यू 50 करोड़ डॉलर था, जो 2025 तक 1 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। साल 2023 में इसने 12 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर निवेश लिया, जो बाद में बढ़कर 16 अरब डॉलर (लगभग 1,380 अरब रुपये) हो गया।

बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठ-गांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

-दिल्ली-एनसीआर में हजारों घर खरीदार परेशान, अब सीबीआई करेगी जांच

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर के प्रॉपर्टी मार्केट में बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठगांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के अंदर एक प्रस्ताव पेश करे कि वह सब्सिडी योजनाओं के तहत रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं के संबंध में बैंकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच कथित सांठगांठ की जांच कैसे करना चाहता है।

कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मिलीभगत ने दिल्ली-एनसीआर में हजारों घर खरीदारों के लिए परेशानी पैदा कर दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि सीबीआई के पास इन मुद्दों की जांच के लिए जरूरी एक्सपर्ट्स और रिसोर्सेज हैं, जिससे यह साफ हो गया कि सब्सिडी स्कीम में प्रणालीगत कमियों की जांच जरूरी है। दोनों जजों की बेंच ने कहा कि एक बात हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि हम मामले को सीबीआई को भेजेंगेज हम समस्या की जड़ तक जाना चाहते हैं।

यह मामला नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य शहरों में रहने वाले हजारों घर खरीदारों से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि बैंकों ने उचित जांच-पड़ताल किए बिना ही सबवेंशन स्कीम के तहत डेवलपर्स को लोन मंजूर कर दिया है। जब, बिल्डरों ने अपने वादों को पूरा नहीं किया, तो ईएमआई भुगतान का बोझ घर खरीदारों पर डाल दिया, जिनमें से कई को अभी तक कब्ज़ा तक नहीं मिला है।

सुप्रीम कोर्ट के 4 मार्च के आदेश में कहा गया है कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद, ज्यादातर बिल्डर्स, बैंक और अंतरिम समाधान कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रोजेक्ट के कंपलीशन की स्थिति और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अनुपालन हलफनामा पेश करने में विफल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन आदेशों की स्पष्ट रुप से अवहेलना बैंकों और बिल्डरों के बीच संभावित मिलीभगत का इशारा करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिषेक शर्मा और वरूण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और 'मिस्ट्री' स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में क्रमशः बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान कायम रखा। हार्दिक पंड्या 252 अंक से हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जिसमें नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी (233 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस (210 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। तिलक वर्मा और भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी इस रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर काबिज हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड 856 रेटिंग अंक लेकर बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं जिसमें इंग्लैंड के फिल सॉल्ट 815 अंक से तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। अभिषेक के 829, तिलक वर्मा के 804 और सूर्यकुमार के 739 रेटिंग अंक हैं। गेंदबाजी सूची की अगुआई वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707 अंक) कर रहे हैं जिसमें चक्रवर्ती (706 अंक) उनसे महज एक अंक पीछे हैं और इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद (705 अंक) से एक अंक आगे हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा (700) और ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा (694 अंक) इनसे पीछे हैं।

भारत के रवि बिश्नोई 674 अंक से छठे स्थान पर हैं जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 653 अंक से नौवां स्थान बरकरार रखा है। जहां तक भारतीय खिलाड़ियों का संबंध है तो उनके स्थान में बदलाव नहीं हुआ है क्योंकि टीम ने जनवरी-फरवरी में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद से इस प्रारूप का कोई मैच नहीं खेला है।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बना ली है जिससे टिम सिफर्ट और फिन एलेन की सलामी जोड़ी के अलावा गेंदबाज जैकब डफी को काफी फायदा मिला है। सिफर्ट 20 पायदान की छलांग से 13वें स्थान पर जबकि एलेन आठ पायदान के लाभ से 18वें स्थान पर पहुंच गए। डफी ने दो मैच में छह विकेट झटके जिसमें पहले मैच में 14 रन देकर चार विकेट हासिल करने का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी शामिल है। इस प्रदर्शन की बदौलत वह 23 पायदान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 12वीं रैंकिंग पर पहुंच गए।

लवलीना और असम के अन्य मुक्केबाजों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने से रोक रहे कलिता: अजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि हाल में निलंबित किए गए बीएफआई महासचिव हेमंत कलिता ओलंपिक कांस्य विजेता लवलीना बोरगोहेन को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने से रोक रहे हैं।

सिंह ने यहां एक आपात प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि तोक्यो ओलंपिक में 69 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना ग्रेटर नोएडा में बृहस्पतिवार से शुरू हो रही घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहती हैं लेकिन कलिता ने उन्हें टूर्नामेंट से हटने के लिए कहा है जो असम मुक्केबाजी संघ में सचिव के पद पर काबिज हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुधीर कुमार जैन द्वारा की गई जांच में कलिता वित्तीय कुप्रबंधन के दोषी पाए गए हैं।

सिंह ने कहा, 'असम मुक्केबाजों को महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने से हतोत्साहित कर रहा है। लवलीना ने प्रतियोगिता के समर्थन में एक वीडियो रिकॉर्ड किया है। लेकिन अधिकारियों को फोन आया है कि हेमंत कलिता ने उन्हें भाग नहीं लेने के लिए कहा है। असम मुक्केबाजी में लवलीना का बहुत बड़ा योगदान है इसलिए वह अपनी भागीदारी पर पुनर्विचार कर रही हैं।' कलिता ने आरोप का तुरंत जवाब नहीं दिया है। वह जल्द ही होने वाले बीएफआई चुनावों में अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवारों में से एक थे, लेकिन उनका नामांकन इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि उन्हें संस्था में अलग भूमिकाओं में दो कार्यकाल पूरा करने के बाद 'कूलिंग ऑफ पीरियड' से गुजरना होगा।

बुमराह का ना होना एक बड़ी चुनौती, आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस के कोच ने सेहत पर दिया अपडेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने जसप्रीत बुमराह की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई और कहा कि इस तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में उनकी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

बुमराह पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अभी बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में 'रिहैबिलिटेशन' की प्रक्रिया में हैं। जयवर्धने ने बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस की सत्र पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'जसप्रीत बुमराह एनसीए में हैं। हमें बुमराह के बारे में उन पर फीडबैक का इंतजार करना होगा। फिलहाल सब ठीक चल रहा है, दिन-प्रतिदिन प्रगति हो रही है।'

मुंबई के कोच ने कहा, 'वह अच्छी स्थिति में हैं। पर उनका नहीं खेलना भी टीम के लिए एक चुनौती है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।' जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अंतिम टेस्ट में वह दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके थे जिसके बाद से वह बाहर हैं और मेजबान टीम ने 162 रन का पीछा करते हुए 3-1 से श्रृंखला जीत ली थी।

बुमराह की वापसी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में 30 साल के इस अनुभवी खिलाड़ी की मौजूदगी से उन्हें मदद मिलेगी। बुमराह के अप्रैल के पहले हफ्ते में मुंबई के साथियों के साथ जुड़ने की उम्मीद है और वह टीम के साथ अपना 'रिहैबिलिटेशन' जारी रख सकते हैं। पांड्या ने कहा, 'मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं, रोहित (शर्मा), सूर्यकुमार (यादव) और बुमराह। वे हमेशा मेरा समर्थन करते हैं और जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं।'

विराट-रोहित के साथ पूरी भारतीय टीम को लगा झटका, बीसीसीआई फैमिली नियम में नहीं देगा ढील

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ -साथ भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को विदेशी दौरे पर परिवार को साथ ले जाने के नियम को लेकर बीसीसीआई ने बड़ा झटका दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को कहा है कि बीसीसीआई विदेशी दौरे पर फैमिली को ले जाने के अपने वर्तमान दिशानिर्देशों को नहीं बदल रहा है। हाल ही में विराट कोहली ने विदेश दौरे में परिवार को साथ रखने का समर्थन किया था, जिसके अगले दिन कई रिपोर्ट सामने आईं थी, जिसमें दावा किया गया था कि शायद बीसीसीआई फैमिली वाले नियम में डील देने का मन बना सकता है।

देवाजीत सैकिया ने क्रिकबज से कहा कि, इस समय वर्तमान नीति बरकार रहेगी, क्योंकि ये राष्ट्री और हमारी संस्था, बीसीसीआई दोनों के लिए सबसे अहम है। बीसीसीआई मानता है कि इस मामले में कुछ नाराजगी या अलग-अलग राय हो सकती है। एक डेमोक्रिटिक सेटअप में लोग अपने विचार व्यक्त करने के हकदार हैं। ये नीति सभी टीम के सदस्यों खिलाड़ियों, कोचों, प्रबंधकों, सहायक कर्मचारियों और शामिल सभी लोगों के लिए समान रूप से लागू होती है और सभी के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि, ये नीति रातोरात नहीं बनाई गईहै, ये दशकों से लागू है, हमारे अध्यक्ष रोजर बिन्नी के खेलने के दिनों से और संभवतः उससे भी पहले से।

भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की सीरीज में 1-3 से हार के बाद बीसीसीआई ने निर्देश जारी किया कि 45 से ज्यादा दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार इससे कम अविध के दौरे पर खिलाड़ी ज्यादातर एक हफ्ते तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

करुण को आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिताब जीतने की उम्मीद

नई दिल्ली । घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर का लक्ष्य अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स को पहला खिताब जिताना रहेगा। करुण ने कुछ समय पहले ही घरेलू क्रिकेट में विदर्भ की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक और एक अर्धशतक के साथ ही 389.50 की औसत से 779 रन बनाए थे। करुण ने कहा, ''मैं दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी करके वास्तव में बहुत खुश हूं! मैं टीम से जुड़ने और खेलने के लिए बेहद उत्साहित हूं! मैं हर मैच को पिछले मैच की तरह महत्वपूर्ण मानकर चलूंगा। मैंने ने बहुत अधिक बदलाव नहीं किये और अपनी तय रणनीत पर चला जिसे अब आईपीएल में भी जारी रखूंगा।'' इस क्रिकेटर ने कहा, ''मैं जितनी जल्दी हो सके अपनी लय हासिल कर लूंगा और मैं जल्दी अच्छी शुरुआत करना चाहूंगा और जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा मैं बेहतर होने के प्रयास करूंगा। मैंने जो एकमात्र चीज की है वह है अपने आप को हालातों के अनुसार ढालना। मैंने अपने खेल में कुछ शॉट जोड़े और जरूरत पड़ने पर उन्हें आजमाया भी है। मैं अब तनावमुक्त रहने की भी कोशिश करता हूं।'' इस बल्लेबाज ने टीम के नये कप्तान अक्षर पटेल की भी जमकर प्रशंसा की है। करुण ने कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो खेल के प्रत्येक पहलू के बारे में अच्छी तरह से जानता है और हर की स्थिति और भूमिका को समझता है. मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

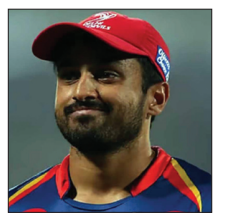

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग के लिए डबलिन पहुंचे अभिषेक बच्चन

डबलिन। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन आजकल डबलिन गये हुए हैं। अभिषेक ने यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (इटीपीएल) में निवेश किया है। उन्हें इस लीग से यूरोप में क्रिकेट के आगे बढ़ने की उम्मीद है। जनवरी 2025 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा स्वीकृत, इटीपीएल में आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड की टीमें हैं। इसमें छह फ्रैंचाइज़ी टीमें शामिल हैं और प्रत्येक देश से दो टीम हैं। इस लीग का उद्घाटन सत्र 15 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक रॉटरडैम और डब्लिन में खेला जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों को एक रोमांचक टी20 क्रिकेट देखने को मिलेगा। इस लीग के साथ जुड़कर अभिषेक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग का हिस्सा बनकर खुश हूँ। यह लीग यूरोप में क्रिकेट के खेल को आगे बढ़ाने, स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और प्रशंसकों के लिए विश्व स्तरीय मनोरंजन देने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करती है। मेरा मानना है कि इस लीग से यूरोपीय क्रिकेट बेहतर होगा और लोगों को बेहतर खेल देखने को मिलेगा। अभिषेक बच्चन की भागीदारी से इटीपीएल के ब्रांड को मजबूती मिलेगी। इस लीग की संरचना खिलाड़ी विकास पर केंद्रित होगी। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी में आठ घरेलू खिलाड़ी होंगे, साथ ही एक अन्य यूरोपीय देश का डेवलपमेंट प्लेयर भी शामिल किया जाएगा, जिससे युवा प्रतिभाओं को निखारने और यूरोपीय क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलेगी। आयरलैंड की दो फ्रैंचाइज़ी टीमें डब्लिन और बेलफास्ट का प्रतिनिधित्व करेंगी, जिससे टूर्नामेंट को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी।

गावस्कर की नकल करते दिखे ऋषभ

मुम्बई। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी करने जा रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। वह कई बार विकेटकीपिंग करते हुए भी बल्लेबाज के साथ हंसी मजाक करते देखे गये हैं। अब उन्होंने महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की निकल की है। उन्होंने गावस्कर का वही डायलॉग दोहराया जब उन्होंने उसे बेवकूफतक बोल दिया था। 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान, चौथे टेस्ट में जब ऋषभ ने थर्ड मैन पर शॉट खेला तो कमेंट्री बॉक्स में बैठे गावस्कर ने उनकी आलोचना की करते हुए तीन बार बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ कहा था। अब इसी अंदाज में ऋषभ ने गावस्कर की नकल उतारी है। उस मशहूर कमेंट्री के दौरान गावस्कर ने कहा- बेवकूफी, बेवकूफी, बेवकूफी! आपके पास दो फील्डर हैं, और फिर भी आप ऐसा करने जाते हैं। आप पिछला शॉट चूक गए, और देखिए आप कहां पकड़े गए। यह आपका विकेट गंवाना है। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। मुझे खेद है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह एक बेवकूफी भरा शॉट है। यह आपकी टीम को बुरी तरह से निराश करता है। आपको स्थिति को भी समझना होगा। उसे भारत के ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए, उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। ऋषभ आईपीएल में अपनी नई टीम के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकते हैं। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में रहते हुए कप्तानी का लंबा अनुभव है जिससे उनके लिए फैसले लेना आसान रहेगा। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए जाने जाते हैं। टी20 क्रिकेट में उनकी तेजी से रन बनाने की क्षमता और बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता का लाभ टीम को मिलेगा। वह इसके अलावा मध्य और निचले क्रम में वह फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं, जो टी20 फॉर्मेट में बेहद महत्वपूर्ण है।

हम इस आईपीएल सीजन में 300 रन का आंकड़ा पार करते देख सकते हैं : दिग्गज खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज एबी डिविलियर्स ने आईपीएल 2025 के शुरुआती मैच से पहले कहा कि इस बार आईपीएल में 300 रन का आंकड़ा पार होता दिखाई दे सकता है। जियो हॉटस्टार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फाफ डू प्लेसिस और विराट कोहली, एबी डिविलियर्स जैसे बड़े खिलाड़ियों के बाद कप्तान के रूप में कदम रखना उनकी सबसे बड़ी चुनौती होगी।

पिछले महीने पाटीदार को आरसीबी का नया कप्तान घोषित किया गया था। वह पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व करेंगे। पाटीदार को सभी प्रारूपों में मध्य प्रदेश टीम के सदस्य के रूप में कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने पिछले साल मध्य प्रदेश को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था। एबी डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनकी सबसे बड़ी चुनौती असुरक्षा होगी - फाफ (डु प्लेसिस) और विराट (कोहली) जैसे पिछले कप्तानों की जगह लेना। विराट के आस-पास होने और खुद पर लगातार संदेह करना, 'क्या मैं सही काम कर रहा हूं? विराट क्या करेंगे?' - मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी बाधा है।'

उन्होंने यह भी चर्चा की कि पाटीदार इस चुनौती से कैसे पार पा सकते हैं। डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें हमेशा अपने खेल पर भरोसा रखना चाहिए और याद रखना चाहिए कि उन्हें कप्तानी के लिए क्यों चुना गया था। उन्हें अपनी शैली में टीम का नेतृत्व करना चाहिए और कोहली और डु प्लेसिस की तरह कप्तानी करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विराट कोहली के अनुभव का भी उल्लेख किया और कहा कि पाटीदार को इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'इससे पार पाने का तरीका यह है कि आप खुद को लगातार याद दिलाते रहें, 'मैं इस स्थिति में क्यों हूं? उन्होंने मुझे क्यों चुना?' इसके पीछे कोई अच्छा कारण होना चाहिए। अब समय आ गया है कि मैं इस पर भरोसा करूं और जो मैं हूं, उसके प्रति सच्चा रहूं- विराट या फाफ की तरह कप्तानी करने की कोशिश न करूं, बल्कि अपने तरीके से नेतृत्व करूं। उन्हें विराट, एंडी फ्लावर और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के अनुभव का उपयोग करना चाहिए, लेकिन हमेशा खुद के प्रति सच्चे रहना चाहिए। मेरे हिसाब से पाटीदार के लिए यही सबसे अच्छी सलाह होगी।'

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर रूल और हाई-स्कोरिंग मैचों पर एबी डिविलियर्स ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल और खेल पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। इस नए नियम ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है। यह शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को पावर प्ले में जोखिम लेने की आजादी देता है। उन्होंने यह भी महसूस किया कि यह गेंदबाजों के लिए अनुचित है क्योंकि यह इम्पैक्ट प्लेयर रूल बल्लेबाजों को स्वतंत्रता देता है, जो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों के कारण गेंदबाजी को मुश्किल बनाता है।

उन्होंने कहा, 'प्रभावी खिलाड़ी नियम ने खेल को बहुत बदल दिया है। जैसा कि हमने कुछ खिलाड़ियों की टिप्पणियों से देखा है, यह शीर्ष तीन बल्लेबाजों को मुक्त करता है - वे

अधिक जोखिम उठा सकते हैं। एक तरह से यह थोड़ा अनुचित लगता है, और मैंने इसके बारे में कुछ आलोचनाएं साझा की हैं। क्षेत्ररक्षण प्रतिबंध केवल दो क्षेत्ररक्षकों को रिंग के बाहर रखने की अनुमति देते हैं, साथ ही शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए अतिरिक्त स्वतंत्रता, गेंदबाजों के लिए चीजों को जटिल बनाती है। लेकिन यह बल्लेबाजों के लिए रोमांचक है। हम इस आईपीएल सीजन में 300 रन का आंकड़ा पार करते हुए देख सकते हैं।'

चहल ने आईपीएल से ही अब तक कमाये हैं 44.20 करोड़ रुपये

नई दिल्ली । टीम इंडिया से बाहर चल रहे स्पिन युजवेंद्र चहल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इस बार पंजाब ने उन्हें 18 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। चहल को 12 आईपीएल सत्र से कुल मिलाकर 44.20 करोड़ मिले हैं। इस प्रकार देखा जाये तो इस क्रिकेटर ने राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद भी काफी पैसा कमाया है। वह साल 2023 के बाद से ही टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं लेकिन लीग में खेलते रहे हैं। चहल ने 160 मैचों में अब तक 205 विकेट लिए हैं। आईपीएल में चहल ने अब तक 3 टीमों मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स से खेला है। चहल ने 160 मैचों में सर्वाधिक 205 विकेट चटकाए हैं। आईपीएल के बाद उन्हें काउंटी क्रिकेट खेलने इंग्लैंड जाना है। वह काउंटी चैंपियनशिप 2025 में नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलेंगे। इस क्लब से से उन्होंने पहले भी खेला है। वह जून में नॉर्थम्पटनशायर टीम के साथ जुड़ेंगे और सत्र के अंत तक काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वह इसमें काउंटी चैंपियनशिप और वनडे कप दोनों में खेलेंगे। वह 22 जून को मिडलसेक्स के खिलाफ पहले मैच में उतर सकते हैं। चहल के नाम काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में 99 रन देकर 9 विकेट का रिकार्ड है। उन्होंने पिछले साल डर्बीशायर के खिलाफ मैच में यह कारनामा किया था। यह उनके करियर की बेस्ट गेंदबाजी थी। दाएं हाथ के इस स्पिन गेंदबाज ने 41 प्रथमश्रेणी मैचों में 115 विकेट लिए हैं।

इंजमाम ने खेल की बदहाली पर चिन्ता जतायी, हफीज के बयान पर भी भड़के

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने देश में क्रिकेट की बदहाली पर चिन्ता जताते हुए इसका जिम्मेदार खेल का संचालन कर रहे लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन, कोच और खिलाड़ियों में लगातार बदलाव से ये हालत हुई है। साथ ही कहा कि इसमें अब भी सुधार नहीं किया गया तो यही स्थिति बनी रहेगी। इंजमाम ने मोहम्मद हफीज के उस बयान की भी कड़ी आलोचना की है। जिसमें हफीज ने कहा था कि 1990 के दशक के खिलाड़ी भी कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। इंजमाम कहा कि 1990 के दशक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों की विरासत को कोई भी बर्बाद नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि दुनिया उनकी उपलब्धियों को जानती है और किसी को भी इस तरह का गलत बयान देने का अधिकार नहीं है। हफीज ने 1990 के दशक की टीम की विरासत पर सवाल उठाए थे। हफीज ने कहा कि टीम 1996, 1999 और 2003 के विश्व कप हारी है। इसी को लेकर इंजमाम ने कहा कि 90 के दशक के खिलाड़ियों के बिना पाकिस्तान क्रिकेट अपनी ताकत खो देगा। अगर आप 90 के दशक के बाद कुछ जीतने वाले खिलाड़ियों को देखें तो वे भी 90 के दशक के बैच से ही हैं। इंजमाम ने कहा कि प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 90 के दशक के थे। 90 के दशक ने हमें बहुत कुछ दिया है। किसी को भी इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। मुझे नहीं पता कि हफीज ने असल में क्या कहा। हर कोई जानता है कि 90 के दशक के क्रिकेटरों ने देश के लिए क्या किया है। 1992 विश्व कप जीतने के बाद पाकिस्तान को एक और आईसीसी खिताब के लिए 17 साल इंतजार करना पड़ा जब यूनिस खान की कप्तानी में टीम ने इंग्लैंड में टी20 विश्व कप जीता था। इसके बाद टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए 8 साल और इंतजार करना पड़ा।

हार न मानने के जज्बे के कारण ही मैदान पर टिका हुआ हूं : पंड्या

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि पिछले कुछ महीने उनके लिए अच्छे नहीं रहे हैं और कठिन हालातों में हार न मानने के जज्बे के कारण ही वह मैदान में जमे हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से ही हार्दिक को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा था। उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। अभी वह आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। हार्दिक ने कहा कि मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है उस समय भी क्रिकेट हमेशा मेरा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने अपना समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो यह उससे भी ज्यादा था जितना मैंने सोचा था। हार्दिक ने कहा कि इस छह महीने के समय में हमने विश्व कप जीता और स्वदेश लौटने पर जो प्यार और समर्थन मुझे मिला उसे में भूल नहीं सकता था। मेरे लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया था। साथ ही कहा कि अगर वह पूरे लगन से अपना काम करते रहे तो आईपीएल में भी जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि ऐसा कब होगा, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, नियति की अपनी योजना थी और मेरे मामले में, ढाई महीने के अंदर सब कुछ बदल गया। पंड्या ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भी गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई थी।

आईपीएल 2025 में धोनी की चमक फिर देखने को मिलेगी: उथप्पा

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि आईपीएल के आगामी सत्र में क्रिकेटप्रेमियों को महेंद्र सिंह धोनी के हुनर की झलक देखने को मिलेगी क्योंकि पूर्व कप्तान बल्लेबाजी क्रम में 7वें या 8वें नंबर पर उतर सकते हैं। 43 वर्ष के धोनी ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के अभ्यास सत्र में उम्दा बल्लेबाजी करके अपनी तैयारी की झलक दी। उन्होंने तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना के यॉर्कर पर उनके सिर के ऊपर से छक्का लगाया।

उथप्पा ने कहा कि जहां तक माही का सवाल है तो मुझे लगता है कि हमें उसकी जबर्दस्त प्रतिभा की झलक देखने को मिलेगी क्योंकि वह सातवें या आठवें नंबर पर उतर सकते हैं। पिछली बार भी हमने देखा कि उन्होंने इसी क्रम पर उतरकर 12 से 20 गेंदें खेली। क्या धोनी इस सत्र के बाद संन्यास लेंगे, यह पूछने पर उथप्पा ने कयास लगाने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि जुनून कभी खत्म होता है। एमएस का खेल के लिए प्यार थोड़ा भी कम नहीं हुआ है। इसी वजह से वह खेल भी रहा है। इस उम्र में भी विकेट के पीछे वह सबसे चुस्त है।

उथप्पा ने कहा कि अगर आपके पास वैसा कौशल और जुनून है तो मुझे नहीं लगता कि किसी कारण से रूकने की जरूरत है। अगर सत्र के अंत में वह संन्यास लेते हैं तो भी मुझे हैरानी नहीं होगी। और अगर इसके बाद वह 4 सत्र और खेलते हैं तो भी मैं हैरान नहीं होने वाला। विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले साल टी20 विश्व कप खेलने के बाद पहली बार इस प्रारूप में खेलेंगे।

उथप्पा ने कहा कि दोनों ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि विराट शानदार फॉर्म में है और यहां के हालात से वाकिफ भी है। पिछले कुछ समय में रोहित अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है लेकिन इस समय सब कुछ उसके पक्ष में लग रहा है। यह आईपीएल में उसके सर्वश्रेष्ठ सत्र में से एक हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की इन जगहों पर देखने को मिलेगा इंग्लैंड-स्विटजरलैंड जैसा नजारा, यादगार बनेगी ट्रिप

अधिकतर लोगों का विदेश घूमने का सपना होता है। लेकिन कई बार बजट के कारण लोग विदेश घूमने नहीं जाते हैं। वहीं भारत की खूबसूरती की तुलना कई विदेशी जगहों से की जाती हैं। यहां की जगहें न सिर्फ विदेशी स्थानों जैसी दिखे हैं, बल्कि वहां की समानता का भी अनुभव किया जा सकता है। ऐसे में आप भारत की इन जगहों पर घूमकर विदेशी खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं। भारत की इन जगहों पर घूमना न सिर्फ आपकी यात्रा को यादगार बनाएगा बल्कि प्रकृति की अनमोल विरासत से भी जोड़ेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी तुलना दुनिया के फेमस स्थलों से की जाती है।

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के दृश्य बेहद खूबसूरत और शानदार होते हैं। श्रीनगर में शिकारा राइड, डल झील और ट्यूलिप फूलों के बगीचे का नजारा बिलकुल विदेशों जैसा है। श्रीनगर में डल झील के किनारे खिले हुए ट्यूलिप फूलों का बगीचा और आसपास का शांत वातावरण आपका मन मोह लेगा। यहां के नजारे आपको नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की याद दिलाएंगे। यहां पर एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। श्रीनगर के इस गार्डन को इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन कहते हैं।

गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग को भारत का स्विटजरलैंड कहा जाता है। यहां पर आपको बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और खूबसूरत घास के मैदान देखने को मिलेंगे। यहां पर गोंडोला राइड और विंटर स्पोर्ट्स पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

उत्तराखंड की वैली ऑफ फ्लावर्स में मानसून के समय हजारों रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। आपको यहां का दृश्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद एंटीलोप वैली से बिलकुल मेल खाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है। यहां पर फोटोग्राफी के शौकीन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

थार मरुस्थल, राजस्थान

बता दें कि राजस्थान का थार मरुस्थल आपको यकीनन सहारा मरुस्थल की याद दिलाएंगा। यहां पर आपको रेत के टीलों, ऊंट की सवारी और रेगिस्तानी संस्कृति देखने को मिलेगी। जो आपको सहारा का अनुभव होगा। यहां पर जैसलमेर और सम सैंड ड्यून्स प्रमुख आकर्षण हैं।

धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शहर है अमृतसर

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है।

अमृतसर, पंजाब राज्य का एक प्रमुख शहर, धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह शहर न केवल भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि दुनिया भर के पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन चुका है। यहाँ की शांतिपूर्ण वातावरण और समृद्ध इतिहास, पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं अमृतसर पर्यटन के कुछ प्रमुख आकर्षणों के बारे में।

स्वर्ण मंदिर

अमृतसर का सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध स्थल है स्वर्ण मंदिर, जिसे हरमंदिर साहिब भी कहा जाता है। यह सिख धर्म का पवित्र स्थल है और दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मंदिर का गोल्डन गेट और उसकी खूबसूरत वास्तुकला देखने योग्य हैं। स्वर्ण मंदिर के चारों ओर स्थित अमृत सरोवर की शांति और सौंदर्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और वातावरण लोगों को एक अलग अनुभव प्रदान करते हैं।

जालियांवाला बाग

जालियांवाला बाग अमृतसर का एक ऐतिहासिक स्थल है, जो 13 अप्रैल 1919 को हुए नरसंहार के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण भाग का प्रतीक है। यहाँ एक स्मारक और जल स्त्रोत है, जो उस भयावह घटना की याद दिलाता है। जालियांवाला बाग पर जाकर लोग भारतीय इतिहास को जानने और उसकी महत्ता को महसूस करने के लिए आते हैं।

गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी

अमृतसर में सिख धर्म और पंजाबी संस्कृति के प्रतीक के रूप में गोल्डन एस्टेट और ज्यूक डिलीवरी संग्रहालय भी प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। यहाँ सिख धर्म की धरोहर, इतिहास, और उनके संघर्षों को प्रदर्शित किया गया है।

दुरगियाना मंदिर

यह मंदिर अमृतसर का एक और प्रमुख धार्मिक स्थल है जो स्वर्ण मंदिर के समान दिखता है। यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है और यहाँ लोग धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं। मंदिर के पास ही एक बड़ा सरोवर भी स्थित है, जो इस स्थल की सुंदरता को बढ़ाता है।

काली मंजीर

अमृतसर में स्थित काली मंजीर भी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यह मंदिर काली माता को समर्पित है। यहाँ भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, विशेष रूप से नवरात्रि और अन्य हिन्दू त्योहारों के दौरान।

अमृतसर का बाजार और संस्कृति

अमृतसर के बाजार भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। यहाँ के बाजार, जैसे कि केसरिया बाजार और जोड़ा फाटक बाजार, लोक कला और हस्तशिल्प के अद्भुत सामानों से भरे हुए हैं। यहाँ से पर्यटक पंजाबी पारंपरिक वस्त्र, जूतियां, चूड़ियां, और अन्य हस्तनिर्मित सामान खरीद सकते हैं। अमृतसर की सांस्कृतिक धरोहर यहाँ के विभिन्न मेलों, त्योहारों और नृत्य-गानों में भी देखने को मिलती है।

भठिंडा और गग्गा महल

अमृतसर के पास स्थित भठिंडा और गग्गा महल भी ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। भठिंडा किला एक ऐतिहासिक किला है, जो प्राचीन समय में एक महत्वपूर्ण स्थान था। वहीं गग्गा महल में एक शांतिपूर्ण वातावरण मिलता है और यहां के सुंदर दृश्य पर्यटकों के लिए एक अच्छा अनुभव होते हैं।

अमृतसर, अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक त्योहारों और मेहमाननवाजी के लिए प्रसिद्ध है। स्वर्ण मंदिर, जालियांवाला बाग, वाघा बॉर्डर और अन्य पर्यटन स्थलों ने इसे एक प्रमुख यात्रा स्थल बना दिया है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को न केवल भारतीय संस्कृति का गहरा अनुभव मिलता है, बल्कि एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव भी होता है। अगर आप भारत के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव को महसूस करना चाहते हैं, तो अमृतसर की यात्रा निश्चित रूप से आपके यात्रा सूची में होनी चाहिए।

वाघा बॉर्डर

अमृतसर से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीमाबंध है। यहाँ हर शाम भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बीटिंग रिट्रीट नामक एक शानदार समारोह आयोजित किया जाता है। यह उत्सव एक जीवंत, रंगीन और जोशपूर्ण अनुभव है, जिसमें दोनों देशों के नागरिकों की एकजुटता और सम्मान की भावना दिखाई देती है। वाघा बॉर्डर का दौरा करने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

दक्षिण भारत की टॉप रोमांटिक जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान

जब देश में थोड़ी-थोड़ी ठंड कम पड़ने लगती है। जब ठंड कम पड़ती है, तो घूमने का मजा दोगुना हो जाता है। वहीं यह महीना साल का सबसे रोमांटिक महीना भी माना जाता है। क्योंकि फरवरी महीने में भी वैलेंटाइन डे वीक मनाया जाता है। इस दौरान दक्षिण भारत में कई कपल्स घूमने का प्लान बनाते हैं। दक्षिण भारत हमारे देश का एक हिस्सा है। जहां पर फरवरी महीने में कम ठंडक पड़ती है। फरवरी महीने में दक्षिण भारत का मौसम भी एकदम रोमांटिक रहता है। इसलिए इस महीने में दक्षिण भारत में हर दिन हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत की कुछ हसीन और टॉप रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

दक्षिण भारत में स्थित सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह में अल्लेप्पी का नाम सबसे पहले आता है। यह सिर्फ केरल का ही नहीं बल्कि पूरे भारत का एक खूबसूरत हॉलिडे डेस्टिनेशन माना जाता है।

अरब सागर के तट पर स्थित अल्लेप्पी अपने खूबसूरत समुद्री तट, लैगून और बैक वाटर के लिए जाना जाता है। अल्लेप्पी को दक्षिण भारत की टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है। ऐसे में आप अपने पार्टनर के साथ अल्लेप्पी घूमने के लिए जा सकते हैं।

कोडईकनाल

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में स्थित कोडईकनाल देश का सबसे खूबसूरत और बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है। यह पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। कोडईकनाल अपनी प्रकृति सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको खूबसूरत झील-झरने, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और खूबसूरत घाटियां देखने को मिलेंगी। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन शाम गुजार सकते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। कोडईकनाल में आप कोडईकनाल झील, कोकर्स वॉक और डॉलफिन नोज पॉइंट जैसी रोमांटिक जगहों पर जरूर जाएं।

कूर्ग

अगर आप अपने पार्टनर के साथ फरवरी के महीने में कर्नाटक की किसी रोमांटिक जगह पर जाना चाहते हैं, तो आपको कुर्ग जाना चाहिए। क्योंकि कुर्ग में सिर्फ भारतीय कपल्स ही नहीं बल्कि विदेशी कपल्स भी घूमने के लिए आते हैं। कुर्ग की खूबसूरती इस तरह प्रचलित है कि इसको दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। आपको कुर्ग में कई होटल और रिसॉर्ट ऐसे होते हैं, जहां पर आप रूम बुक करके हसीन शाम बिता सकते हैं। आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ एबी फॉल्स, ब्रह्मगिरी शिखर, चेट्टाल्ली, दुबारे हाथी शिवर और राजा की सीट जैसी रोमांटिक जगहों को एकसप्लोर कर सकते हैं।

पुडुचेरी

दक्षिण भारत में स्थित पुडुचेरी एक केंद्र शासित प्रदेश है। इस देश को एक बेहद खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पुडुचेरी को हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर सिर्फ फरवरी महीने में बल्कि साल के अन्य महीनों में भी कपल्स घूमने के लिए आते हैं। पुडुचेरी में आप पार्टनर के साथ सुबह-शाम समुद्र तट के किनारे सुकून और यादगार भरे कुछ पल बिता सकते हैं। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ पैराडाइज बीच, बॉटनिकल गार्डन और प्रोमेनेड बीच जैसी रोमांटिक जगहों पर जाना न भूलें।

छत्तीसगढ़ का छिपा हुआ खजाना माना जाता है औरापानी

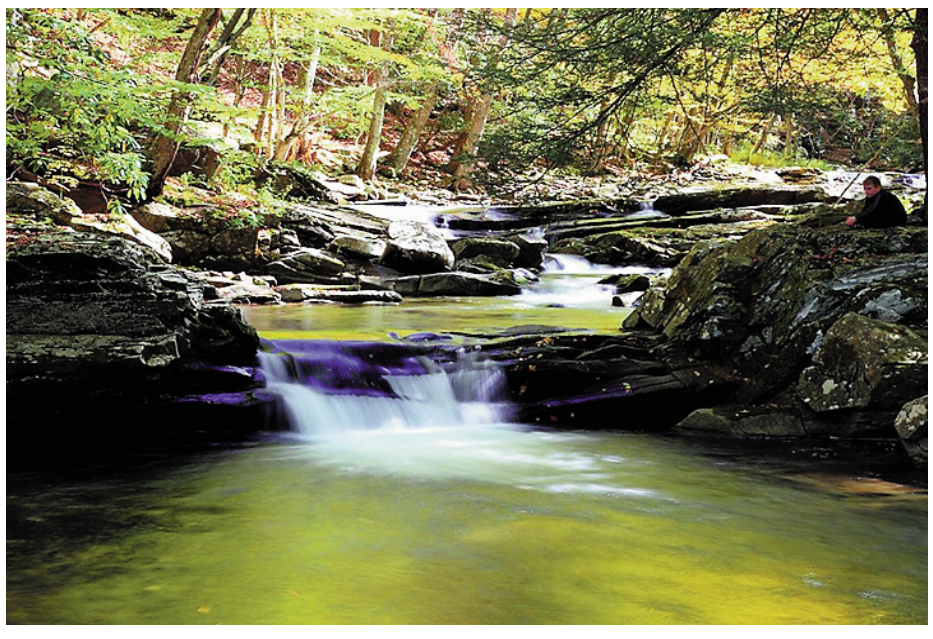

छत्तीसगढ़ भारत का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। साल 2000 में इस राज्य का गठन हुआ था। साथ ही यह देश का 10वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा भी कहा जाता है। यह राज्य विशान घने जंगलों के लिए भी जाना जाता है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में ऐसी कई शानदार और मनमोहक जगहें मौजूद हैं। यहां पर हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी भी ऐसी ही एक अद्भुत जगह है। जो कहीं से भी हिमाचल या उत्तराखंड से कम नहीं मानी जाती है। औरापानी की खूबसूरती को देखने के लिए देश के हर कोने से लोग पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको औरापानी में मौजूद कुछ शानदार और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

कहां है औरापानी

औरापानी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मौजूद है। यह मुख्य शहर के करीब 45 किमी की दूरी पर स्थित है। औरापानी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीमा के पास में स्थित है। वहीं औरापानी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर 170 किमी दूर स्थित है। इसके साथ ही औरापानी छत्तीसगढ़ के रतनपुर से करीब 91 किमी, मध्य प्रदेश के अमरकंटक से करीब 90 किमी और पंडरिया से करीब 51 किमी दूर स्थित है।

औरापानी की खासियत

बता दें कि औरापानी को सिर्फ बिलासपुर ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का छिपा खजाना माना जाता है। घने जंगलों के बीच स्थित औरापानी बेहद मनमोहक और खूबसूरत दृश्यों के लिए जाना जाता है।

यह जगह अपनी खूबसूरती के साथ सुहावने मौसम के लिए भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। वहीं मानसून और सर्दी के मौसम में औरापानी की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए खास है ये जगह

छत्तीसगढ़ में स्थित औरापानी पर्यटकों का वह खजाना है, जहां पर घूमने के लिए लोग हिमाचल और उत्तराखंड को भूल जाएंगे। यहां पर सिर्फ छत्तीसगढ़ के ही नहीं बल्कि अन्य जगहों से भी पर्यटक आते हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण के साथ झील और झरनों के लिए भी जाना जाता है। औरापानी के जंगलों में स्थित झील और वॉटरफॉल सैलानियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं।

एडवेंचर का है खजाना

औरापानी अपनी खूबसूरती के साथ एडवेंचर का खजाना माना जाता है। यहां पर सुकून के कुछ पल बिताने के साथ आप एडवेंचर एक्टिविटी करने भी पहुंच सकते हैं। औरापानी को हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग के लिए बेस्ट पर्यटन केंद्र माना जाता है। सर्दी और मानसून में यहां पर हर दिन दर्जनों की संख्या में पर्यटक एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा आप यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि औरापानी और इसके आसपास कई ऐसी शानदार और हसीन जगहें हैं, जहां पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं। आप औरापानी झील के साथ औरापानी वॉटरफॉल जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। औरापानी में झील और वॉटरफॉल एक्सप्लोर करने के बाद आप अचानकमार अभयारण्य और अमरकंटक हिल्स जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष पर लगाया पांच हजार का हर्जाना

प्रयागराज (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा व शाही ईदगाह विवाद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और भारत संघ को पक्षकार बनाने के लिए हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल संशोधन अर्जी को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही हिंदू पक्ष पर पांच हजार रुपये हर्जाना लगाया है। यह राशि प्रतिवादी उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल बोर्ड को देय होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की पीठ ने दिया। सूट नंबर एक के याची भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और कटरा केशव देव और सूट नंबर 16 के याची देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान की ओर से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को और भारत संघ को पक्षकार बनाने की मांग की थी। सूट नंबर एक के अधिवक्ता हरिशंकर जैन की संशोधन अर्जी पर मुस्लिम के साथ ही हिंदू पक्षकारों ने विरोध जताया था। अर्जी को रद्द करने की मांग की थी। पांच मार्च को सुनवाई के बाद कोर्ट ने ऑर्डर रिजर्व कर लिया था। अब कोर्ट ने ऑर्डर जारी कर संशोधन अर्जी को हर्जाने के साथ स्वीकार कर लिया है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में जोमी और हमार जनजाति के बीच हिंसा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बीती रात जोमी और हमार जनजाति के बीच हिंसा हुई। हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। ये हिंसा तब हुई जब हमार जनजाति के युवकों ने सीलमत क्षेत्र के पास फहराए गए जोमी झंडे को उतार दिया। हिंसा को रोकने के लिए बुधवार सुबह सिक्योरिटी फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। साथ ही चुराचांदपुर जिले के डिप्टी कमिश्नर धरुण कुमार ने अपील कर कहा कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए जिला मजिस्ट्रेट हर संभव कोशिश कर रही है। जिला प्रशासन सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। वहीं हमार संगठन ने बताया कि हमारे सदस्यों को बार-बार निशाना बनाया जा रहा हमले की आलोचना करते हुए हमार इनपुई ने कहा कि अपराधियों को तुरंत पकड़ा जाए। साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर वे अपनी खुद की कार्रवाई करने को तैयार है। संगठन ने कहा, यह घटना कोई अकेली घटना नहीं है।

पिछले एक साल में बढ़ी सोने की तस्करी

मुंबई (एजेंसी)। सोने के आयात शुल्क में वृद्धि तथा भारत में सोने की कीमतों में भारी वृद्धि के मद्देनजर पिछले एक साल में सोने की तस्करी की घटनाएं बड़े पैमाने पर बढ़ी हैं। सोने की तस्करी न केवल सोने के आभूषणों, बिस्कुटों और बार के रूप में की जा रही है, बल्कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर के रूप में भी की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि सोने के पेस्ट और सोने के पाउडर को संसाधित करके भारत में बेचा जा रहा है। हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवर्तन निदेशालय ने सोने की तस्करी का पर्दाफाश करते हुए 4 अलग-अलग मामले दर्ज कर 10 किलो 923 ग्राम सोना जब्त किया है। जब्त सोने की कीमत 8 करोड़ 47 लाख रुपये है। पिछले कुछ दिनों में दुबई, अबू धाबी, बैंकॉक, मस्कट और सिंगापुर से बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी देश में की गई है। दिलचस्प बात यह है कि मुंबई और दिल्ली के हवाई अड्डों पर जांच एजेंसियों की बढ़ती सतर्कता के कारण, हाल ही में कई तस्करों ने विदेशी विमानों से छोटे भारतीय हवाई अड्डों पर सोने की तस्करी करने की कोशिश शुरू कर दी है।

आतंकी घटनाओं में 71 प्रतिशत की कमी, आतंकवादी अब जेल या जहन्नुम जाएंगे

-राज्यसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे चरण के छठे दिन बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकी घटनाओं पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के आने के बाद देश में आतंकी घटनाओं में 71 प्रतिशत की कमी आई है और आतंकवादी अब जेल या जहन्नुम जाएंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री राय ने बताया कि पहले जब आतंकवादियों का महिमामंडन किया जाता था और उन्हें अच्छा खाना परोसा जाता था, लेकिन मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। वहीं लोकसभा में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र में बदलाव को लेकर कोई भी प्रस्ताव पेंडिंग नहीं है। न ही इस पर विचार हो रहा है। कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद खाली होने वाले पदों को खत्म करने की केंद्र सरकारी की कोई नीति नहीं है। राय ने कहा कि मैं इन आरोपों से सहमत नहीं हूं कि एनआईए के खिलाफ शिकायतें हैं। ये सब निराधार हैं। अगर कोई शिकायत है भी उन लोगों की मनगढ़ंत कहानी है, जिन्हें आतंकियों के खिलाफ लिए जा रहे एक्शन से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि एनआईए लंदन और ओटावा में इंडियन हाई कमिशन और सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्य दूतावास पर हमले की घटनाओं की जांच कर रही है।

लालू यादव से 4 घंटे तक ईडी के अधिकारियों ने पूछे सवाल

पटना (एजेंसी)। आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव पर लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में शिकंजा कसता जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी ने बुधवार को उनको पूछताछ के लिए पटना स्थित ईडी जोनल कार्यालय में बुलाया। सुबह 11 बजे से पूछताछ शुरू हुई जो दोपहर करीब तीन बजे तक चली। यानि करीब चार घंटे तक लालू से पूछताछ हुई। इसके बाद लालू यादव ईडी दफ्तर से बाहर निकल गए। लालू के साथ उनकी बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद मीसा भारती भी ईडी ऑफिस पहुंचीं थी। मालूम हो कि इसी मामले में मंगलवार को राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव से भी सवाल-जवाब हुए थे। हालांकि लालू से पहले भी पूछताछ हो चुकी है।

अब दिल्ली स्थित केजरीवाल के शीशमहल का बीजेपी करेगी इस्तेमाल !

-गणमान्य व्यक्तियों के लिए स्टेट गेस्ट हाउस बनाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की बीजेपी सरकार 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले का इस्तेमाल करेगी, जिसे बीजेपी ने ही शीशमहल नाम दिया है। अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में सीएम आउस रहे इस बंगले को अब स्टेट गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की ओर से बंगले के रेनोवेशन को लेकर दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान बीजेपी ने आप के खिलाफ प्रचार किया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए एक स्टेट गेस्ट हाउस की जरूरत पड़ती है। रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि बाकी राज्यों की तरह शहर में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। इसी वजह से 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम फैसले का इंतजार है। फ्लैग स्टाफ रोड सिविल लाइंस इलाके में आता है, जहां राजभवन, दिल्ली विधानसभा और सचिवालय हैं।

अधिकारी ने बताया कि 1990 के दशक में 33, शाम नाथ मार्ग पर स्थित एक संपत्ति को स्टेट गेस्ट हाउस बनाने की बात हुई थी लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई। तब से दिल्ली में ऐसा कोई गेस्ट हाउस नहीं है। आप सरकार के तहत 33, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली के थिंक टैंक डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन का पता था, जिसे उसने सरकार की नीतियों पर सलाह देने के लिए बनाया था। 1942 में निर्मित 6, फ्लैग स्टाफ रोड, बंगले में शुरू में एक ऑफिस और पांच बेडरूम थे। यह लुटियंस दिल्ली क्षेत्र के बाहर सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक है।

1960 के दशक से यह बंगला दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के अंडर में है। इससे पहले यह बंगला वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी प्रेम सिंह का घर हुआ करता था, जो दो बार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके थे। उसके बाद यह बंगला दिल्ली सरकार में कार्यरत नौकरशाहों को आवंटित कर दिया गया। 2020 के मॉनसून के दौरान छत गिरने के बाद आप सरकार ने इसका रेनोवेशन कराया, उसके बाद कोविड महामारी के आने तक एक टॉयलेट में भी इसी तरह की घटना हुई। कथित तौर पर घर के सिक्योरिटी ऑडिट से रेनोवेशन की जरूरत का पता चला। केजरीवाल 2015 में अपने माता-पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ इस बंगले में रहने चले गए और अक्टूबर 2024 तक इसमें रहे। दिल्ली के सीएम के पद से हटने के कुछ दिनों बाद उन्होंने इसे खाली कर दिया और अपने परिवार के साथ 5, फिरोजशाह रोड, बंगले में चले गए, जो आधिकारिक तौर पर पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को आवंटित था।

बता दें 3 दिनों तक केजरीवाल की

उत्तराधिकारी और आप की सीएम आतिशी भी इस घर में रहीं, लेकिन 9 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी ने उन्हें घर खाली करने को कहा। पीडब्ल्यूडी ने कहा कि केजरीवाल द्वारा संपत्ति का ऑफिशियल ट्रांसफर अभी तक नहीं हुआ है। पीडब्ल्यूडी ने इस साल जनवरी में आतिशी को बंगले का आवंटन का अपना प्रस्ताव रद्द कर दिया। बीजेपी की सीएम रेखा गुप्ता शालीमार बाग स्थित अपने पारिवारिक घर से ही काम कर रही हैं, उनके लिए भी घर की तलाश जारी है।

सभी राज्यों के विधायकों के पास 73348 करोड़ की संपत्ति - जनता गरीब-विधायक अमीर

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने भारत के 28 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के 4092 विधायकों के हलफनामे का विश्लेषण किया है। इस विश्लेषण से पता चला है, चार विधायकों के पास 1000 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। 500 से 1000 करोड रुपए वाले विधायकों की संख्या 8 है। 100 से 500 करोड रुपए तक की संपत्ति वाले विधायकों की संख्या 107 है। सभी राज्यों में केवल 65 विधायक ऐसे हैं। जिनकी संपत्ति 30 लाख रुपए से कम है। बाकी विधायक करोड़पति हैं। सभी विधायकों की संपत्ति जोड़ने के बाद 73348 करोड रुपए की संपत्ति के मालिक सभी राज्यों के विधायक हैं। विधायकों की संपत्ति के मामले में कर्नाटक सबसे आगे है। कर्नाटक के विधायकों के पास 14179 करोड रुपए की संपत्ति है। उसके बाद महाराष्ट्र के विधायकों के पास 12424 करोड रुपए की संपत्ति है। तीसरा नंबर आंध्र प्रदेश का आता है। यहां के विधायकों के पास 11323 करोड रुपए की संपत्ति है। चौथे नंबर पर मध्य प्रदेश है। यहां पर 2699 करोड रुपए की संपत्ति विधायकों के पास है। पांचवें स्थान पर राजस्थान है। यहां के विधायकों के पास 1544 करोड रुपए की संपत्ति है। विधायक बनने के बाद बड़ी तेजी के साथ उनकी संपत्ति बढ़ने लगती है। गरीबों की संपत्ति जरूर घट रही है।

जम्मू-कश्मीर से आप के इकलौते विधायक के खिलाफ वारंट जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आम आदमी पार्टी के एकमात्र विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ गैर-जमानत वारंट जारी कर दिया गया है। आप के विधायक के खिलाफ वारंट जम्मू की एक कोर्ट ने पूर्व विधायक और मंत्री गुलाम मोहम्मद सरूरी द्वारा दायर मानहानि मामले के संबंध में जारी किया गया है। जम्मू में विशेष आबकारी मजिस्ट्रेट ने एसएचओ को आरोपी को गिरफ्तार कर 14 मई को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने 17 मार्च के आदेश में कहा कि चूंकि आरोपी मेहराज दीन मलिक पुत्र शमास दीन मलिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत अपराध का आरोप है। आपको उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने और 17 मई को मेरे सामने पेश करने का निर्देश दिया जाता है। यह मामला डोडा में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनावों के दौरान मलिक द्वारा सरूरी के खिलाफ मानहानि और धमकी देने के आरोपों से उपजा था। सरूरी ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें दावा किया गया कि मलिक ने सोशल मीडिया पर प्रसारित वायरल वीडियो क्लिप में उनके खिलाफ 'गंदी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक भाषा' का इस्तेमाल किया। 4 जून 2024 को कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर मलिक को समन जारी किया और उन्हें 20 जुलाई 2024 को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, आप विधायक मलिक पेश नहीं हुए, जिसके बाद कोर्ट ने अंततः 17 मार्च को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 14 मई को होगी जब न्यायालय वारंट के अनुपालन की समीक्षा करेगा।

वहीं, मामले पर प्रतिक्रिया देकर आप विधायक मलिक ने कहा कि यह एक निजी मामला है और वह विधानसभा में अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मलिक ने कहा कि मैं एक विधायक हूं, आप मुझसे विधानसभा में क्या चल रहा इस बारे में पूछ सकते है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने मुझे राजनीति सिखाई, वे अब मुझे कानून भी सिखाएंगे-मुझे नहीं पता कि वारंट क्या है। मैं लोगों के मुद्दों के साथ विधानसभा में व्यस्त हूं-यह एक गैर-जमानती वारंट है। मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है और जमानत मिल सकती है। इससे ज्यादा क्या हो सकता है? मैंने किसी को नहीं मारा है-कोई छोटा-मोटा मामला हो सकता है; मुझे इसके बारे में नहीं पता।

कई चुनाव हारने के बाद कांग्रेस का अब संगठन को मजबूत करने पर जोर

-दिल्ली में तीन दिवसीय बैठक के लिए देशभर के 700 जिला अध्यक्षों को बुलाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कई चुनावों में हारने वाली कांग्रेस पार्टी अब संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने अपनी जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को संगठन का केंद्र बिंदु बनाने की दिशा में कदम उठाया है। इसके तहत एआईसीसी देश भर के करीब 700 जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की एक तीन दिवसीय बैठक का आयोजन कर रही है। यह बैठक 27-28 मार्च और 3 अप्रैल को नई दिल्ली में होगी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नई संगठनात्मक रूपरेखा लागू करना है, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की मशीनरी को मजबूत किया जा सके।

यह बैठक 16 साल बाद होने जा रही है, जो कांग्रेस के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पहल का पायलट प्रोजेक्ट गुजरात में लागू किया जाएगा, जहां 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बैठक में डीसीसी अध्यक्षों को उम्मीदवारों के चयन में अहम भूमिका देने और संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया जाएगा। एआईसीसी के महासचिवों और प्रभारियों की एक बैठक में निर्णय लिया गया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे।

बैठक में प्रियंका गांधी सहित कुछ नेताओं के एक अनौपचारिक समूह द्वारा तैयार की गई संगठनात्मक मजबूती की रूपरेखा पर चर्चा की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह बैठक हमारी जिला इकाइयों को सशक्त बनाने और संगठन को नई दिशा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य जमीनी स्तर पर पार्टी की ताकत को बढ़ाना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बैठक के जरिए कांग्रेस अपनी रणनीति को और प्रभावी बनाना चाहती है, खासकर उन राज्यों में जहां विधानसभा चुनाव होने हैं।

गुजरात में इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के आधार पर इसे अन्य राज्यों में भी लागू करने की योजना है। यह कदम कांग्रेस के लिए संगठनात्मक ढांचे में बदलाव और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच नई ऊर्जा भरने का प्रयास माना जा रहा है। आने वाले दिनों में इस बैठक के नतीजे पार्टी की भविष्य की रणनीति पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। गुजरात पिछले तीन दशकों से बीजेपी का मजबूत गढ़ रहा है और यह पीएम नरेंद्र मोदी का गृह राज्य भी है। अगर कांग्रेस गुजरात में सफलता हासिल करती है, तो यह बीजेपी की अजेय छवि को चुनौती दे सकता है और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की स्थिति को मजबूत कर सकता है।

गुजरात में कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक, खासकर ग्रामीण इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और कुछ शहरी मतदाताओं के बीच अभी भी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थीं, जो बीजेपी के लिए टक्कर थी। हालांकि 2022 के चुनाव में पार्टी महज 17 सीटें ही जात पाई। पार्टी मानती है कि अगर वह अपने वोट प्रतिशत को 5-10 फीसदी और बढ़ा सके, तो सत्ता में आना संभव है। गुजरात में कांग्रेस लंबे समय से संगठनात्मक रूप से कमजोर रही है, जिसके कारण नेताओं का पलायन और आंतरिक कलह बढ़ा है। अब पार्टी जमीनी स्तर पर अपनी मशीनरी को मजबूत करने के लिए गुजरात को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस्तेमाल करना चाहती है, जैसा कि हाल की बैठक और राहुल गांधी के दौरे से संकेत मिलता है। 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव और उससे पहले स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए कांग्रेस अभी से तैयारी शुरु कर रही है। हाल के लोकसभा चुनाव (2024) में बनासकांठा सीट जीतने के बाद पार्टी को उम्मीद है कि वह इस सफलता को आगे बढ़ा सकती है।

ममता सरकार ने अपने खास वर्ग के कर्मचारियों को कर दिया खुश 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस देने का लिया फैसला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने एक खास वर्ग के कर्मचारियों को खुश कर दिया है। ममता सरकार ने उन कर्मचारियों को 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस देने का फैसला किया है, जो किसी उत्पादकता आधारित बोनस सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं। ये बोनस कर्मचारियों को मार्च तक 44,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाले कर्मचारियों को दिया जाएगा। इस बारे में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार मुस्लिम समुदाय के कर्मचारियों को बोनस ईद-उल-फितर से पहले मिलेगा, जबकि बाकी कर्मचारियों को 15-19 सितंबर के बीच बोनस दिया जाएगा। इसके अलावा पेंशनभोगियों को 3,500 रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। इस साल बोनस राशि में भी वृद्धि की गई है। मार्च तक जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 44,000 रुपये या उससे कम है, उन्हें 6,800 रुपये का तदर्थ बोनस मिलेगा। पिछले साल ये राशि 6,000 रुपये थी और तब कर्मचारियों के वेतन की ऊपरी सीमा 42,000 रुपये थी। ममता सरकार ने इस साल त्यौहारों के मौके पर अग्रिम राशि में भी बढ़ोतरी की है। जिन कर्मचारियों का मासिक वेतन 44,000 से 52,000 रुपये के बीच है उन्हें इस साल त्यौहार अग्रिम के रूप में 20,000 रुपये मिलेगा। पिछले साल ये राशि 50,000 रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों के लिए थी।

दिल्ली चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं

-फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने रखी अपनी राय

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री बॉलीवुड के जाने माने डायरेक्टर्स हैं, जो अपने काम के अलावा अपनी बेबाक टिप्पणियों को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम और राजनीति पर अपनी राय दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम यह साबित करता है कि ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कहा कि दिल्ली में बीजेपी का आना अच्छा संकेत है क्योंकि देश में बदलाव की जरुरत है। उनका मानना है कि सरकारें बदलनी चाहिए और नई पार्टियों को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने विधानसभा में उठाए गए कश्मीर में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के मजाक पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह जो मजाक कश्मीर में हिंदुओं पर हुए अत्याचार का उड़ाया गया था, वो किसी और जगह नहीं, बल्कि

दिल्ली विधानसभा में खड़े होकर किया गया। अग्निहोत्री ने यह भी कहा कि इन लोगों को मिली सजा 'मां शारदा और भोलेनाथ' की तरफ से थी। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान के घर में देर हो सकती है, लेकिन अंधेर नहीं।

बता दें, विवेक रंजन अग्निहोत्री की यह बात दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर किए गए बयान से जुड़ी थी। 2022 में, जब दिल्ली में इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग उठी थी, तब अरविंद केजरीवाल ने इसे एक झूठी फिल्म बताया था और विधानसभा में मजाक उड़ाया था। केजरीवाल का कहना था कि यदि यह फिल्म लोगों को दिखानी ही है, तो उसे यूट्यूब पर अपलोड कर दिया जाए, ताकि सभी लोग उसे देख सकें।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद, विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, हर सवाल का जवाब यहीं होगा। हर हिसाब-किताब यहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली विधानसभा की एक पुरानी तस्वीर भी शेयर की, जिसमें अरविंद केजरीवाल खड़े थे। यह पोस्ट वायरल हुआ और इसे राजनीति के संदर्भ में एक तीखा कमेंट माना गया।

नागपुर हिंसा पर पप्पू यादव ने कहा- बजरंग दल और वीएचपी 'दंगाई', इनकी जगह जेल में...!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बाद भड़की हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इन संगठनों को 'दंगाई' करार देते हुए कहा कि इनकी जगह या तो जेल में होनी चाहिए या श्मशान में।

गौरतलब है कि नागपुर में सोमवार को औरंगजेब की कब्र को लेकर उपजे विवाद के बाद हिंसा भड़क गई थी। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंघल के नेतृत्व में मंगलवार को रूट मार्च निकाला गया। पुलिस ने हिंसा की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि दंगा कैसे शुरू हुआ और किन तत्वों ने इसे भड़काया। प्रशासन ने तीन किलोमीटर के दायरे में कर्फ्यू लगाया हुआ है।

ऐसे में सांसद पप्पू यादव ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद दंगाई हैं। ये संविधान

विरोधी, देश विरोधी, इंसान विरोधी और मानवता विरोधी हैं। इन संगठनों पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए। जो संविधान से ऊपर हो जाए और गीता, कुरान, बाइबिल के आध्यात्मिक और उदारवादी मूल्यों के खिलाफ काम करे, उन लोगों की जगह या तो जेल में होनी चाहिए या श्मशान में। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि इन संगठनों को सरकार से संरक्षण मिलता है, जबकि संविधान के खिलाफ काम करने वालों पर सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने दी प्रतिक्रिया

इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर बजरंग दल और वीएचपी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, तो यह कानून के तहत लिया गया उचित कदम है। उन्होंने कहा, जो लोग दंगे कराएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, तो सरकार निष्पक्ष रूप से काम कर रही है।

राम जन्मभूमि परिसर में बन रहे 14 और मंदिरों में मूर्ति की स्थापना 30 अप्रैल को

-पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सिंहासन बनकर तैयार

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु राम की नगरी अयोध्या में रामनवमी से पहले राम मंदिर ट्रस्ट ने भव्य राम मंदिर की 8 नई तस्वीरें जारी की हैं। इसमें पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सफेद संगमरमर का सिंहासन बनकर तैयार है। ग्राउंड फ्लोर की ही तरह पहले फ्लोर पर सिंहासन बनाया गया है। गर्भगृह में भव्य नक्काशी की गई है। सामने मंडपम बनाया गया है। इसके खंभों में भी नक्काशी की गई है, जोकि जयपुर के पिंक सैंड स्टोन से बना है। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 14 और मंदिर बन रहे हैं। इसमें मूर्तियों की स्थापना के लिए अभी शुभ तिथि 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) और प्राण प्रतिष्ठा 5 जून (गंगा दशहरा) को तय हुई है। हालांकि, ट्रस्ट की ओर से इसपर मुहर लगना अभी बाकी है।

30 अप्रैल से पहले मूर्तियां जयपुर से आ जाएंगी

राम दरबार की सभी मूर्तियां जयपुर में तैयार हो रही हैं। 30 अप्रैल से पहले सभी मूर्तियां यहां पहुंच जाएंगी। राम मंदिर के पहले फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना होनी है, जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं। इसमें भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होंगी। इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बन रहे हैं। इसमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित होंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने ज्योतिषाचार्यों के साथ मूर्तियों की स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त और तिथि पर कारसेवक पुरम में बैठक की। ज्योतिषाचार्यों के साथ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी रहे। अभी तय हुआ कि मूर्तियों की स्थापना के लिए अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) और प्राण प्रतिष्ठा के लिए गंगा दशहरा (5 जून) की तिथि सबसे अच्छी है। प्राण प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त को लेकर ट्रस्ट अंतिम मुहर लगाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

क्या बीएलए से डर गई पाकिस्तानी आर्मी? एक सप्ताह में 2500 ने छोड़ी नौकरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। हाल के दिनों में पाकिस्तान में सेना और सुरक्षा बल लगातार हमलों का निशाना बने हुए हैं। पाकिस्तानी सेना पर, विशेषकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में भीषण हमले हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मौतें हुई हैं। विद्रोही समूह बीएलए द्वारा किए जा रहे इन हमलों के बीच यह बात सामने आई है कि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिक सेना की सेवा छोड़ रहे हैं। काबुल फ्रंटलाइन ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। काबुल फ्रंटलाइन ने रविवार को बताया कि महज एक सप्ताह में करीब 2,500 सैनिक सेना छोड़ चुके हैं। पाकिस्तानी सेना में बढ़ती असुरक्षा, सैनिकों की लगातार हो रही मौतें और पाकिस्तान की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को सैनिकों के नौकरी छोड़ने के पीछे मुख्य कारण बताया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना छोड़ने वाले अधिकांश सैनिक देश से बाहर सऊदी अरब, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात में काम करने चले गए हैं। वे अपनी जान जोखिम में डालने के बजाय विदेश जाकर आर्थिक सुरक्षा चुन रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना के अंदर स्थिति बहुत खराब है। ऐसी स्थिति में सैनिक लगातार हिंसा और असुरक्षा के बीच लड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। पाकिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के कारण सैनिकों का मनोबल टूट रहा है। हालांकि, बड़ी संख्या में सैनिकों का पलायन सेना की ताकत पर भी सवाल उठाता है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब हम सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इससे भविष्य में पाकिस्तानी सेना की कार्यकुशलता प्रभावित हो सकती है। हाल ही में पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक ट्रेन का अपहरण कर लिया गया और उसमें सवार सैनिकों को निशाना बनाया गया। इसके बाद नोश्की में सैन्य काफिले पर भीषण हमला किया गया। दोनों हमलों में बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। ऐसे में सैनिक अपनी जान जोखिम में डालने के बजाय खाड़ी देशों में काम करके जीविकोपार्जन का विकल्प चुन रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तानी मीडिया या पाकिस्तानी सेना ने सैनिकों के नौकरी छोड़ने के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है।

पीएम मोदी की सकारात्मक टिप्पणियों से चीन खुश, कहा – करते हैं समर्थन

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने सोमवार को कहा कि वह बीजिंग-नई दिल्ली संबंधों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सकारात्मक टिप्पणियों की सराहना करता है. अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने उन प्रयासों पर जोर दिया जो यह सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे हैं कि दोनों देशों के बीच मतभेद संघर्ष में न बदल जाएं. प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत और चीन के बीच सहयोग जरूरी है. उन्होंने संघर्ष के बजाय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वकालत की. पीएम मोदी ने कहा, एक स्थिर और सहयोगात्मक संबंध बनाने के लिए संवाद महत्वपूर्ण है, जिससे दोनों देशों को लाभ हो. चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, हम चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी की हाल की सकारात्मक टिप्पणियों की सराहना करते हैं. पिछले अक्टूबर में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में सफलतापूर्वक मुलाकात की और चीन-भारत संबंधों को सुधारने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया. निंग ने कहा, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के नेताओं की साझा सहमति को ईमानदारी से लागू किया है, सभी स्तरों पर आदान-प्रदान और व्यावहारिक सहयोग को मजबूत किया है और कई सकारात्मक परिणाम हासिल किए हैं. प्रवक्ता ने कहा, दोनों देशों को एक-दूसरे को समझना चाहिए, समर्थन करना चाहिए. यह दोनों देशों के 2.8 बिलियन से अधिक लोगों के मौलिक हितों के अनुरूप है, क्षेत्रीय देशों की साझा अपेक्षाओं के अनुरूप है, वैश्विक दक्षिण के उत्कृष्ट विकास की ऐतिहासिक प्रवृत्ति के अनुरूप है, और विश्व शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि के लिए अनुकूल है।

हैती में बढ़ती गैंग हिंसा के कारण डॉक्टरों को अस्पताल से निकालना पड़ा

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने सोमवार को बताया कि हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में गैंग हिंसा बढ़ने के कारण उनके कर्मचारियों को एक अस्पताल से निकालना पड़ा। इस दौरान उनके चार वाहनों पर गोलीबारी की गई। सहायता संगठन ने कहा कि इस घटना के कारण शनिवार को टर्गेउ आपातकालीन केंद्र में सेवाएं रोकनी पड़ीं। मामले में संगठन ने कहा कि इसके काफिले पर अधिकारियों के साथ समन्वय के बावजूद बार-बार और जानबूझकर गोलीबारी की गई। हालांकि, मिशन प्रमुख बेनोइट वासेउर ने बताया कि इस घटना में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल में संचालन जारी रखना संभव नहीं है, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य होगी।

सीजफायर के बीच गाजा में इजराइली हमले फिर शुरू : एयरस्ट्राइक में 232 की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने गाजा में फिर से हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक वायुसेना ने गाजा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इन हमलों में अब तक 232 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 300 से ज्यादा घायल हैं। 19 जनवरी को इजराइल-हमास में शुरू हुए सीजफायर के बाद इजराइल का गाजा में यह सबसे बड़ा हमला है। इजराइली सेना का कहना है कि वह हमले की योजना बना रहे आतंकवादियों को निशाना बना रही थी। इजराइल ने पिछले दो हफ्तों से गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास संघर्ष विराम समझौते में बदलाव स्वीकार करे।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे : इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह हमले इसलिए कराए क्योंकि सीजफायर पर हो रही बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। नेतन्याहू कई बार फिर से जंग शुरू करने की धमकी दे चुके हैं। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया तो गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे। हमास ने इजराइली हवाई हमलों को सीजफायर का उल्लंघन बताया है। हमास ने धमकी दी है कि इस कदम से उसकी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों की जान खतरे में आ गई है। हमास ने

कहा कि इजराइल ने बिना किसी उकसावे के हमले किए हैं।

सीजफायर के पहले फेज में 33 इजराइली बंधक रिहा हुए : सीजफायर का पहला फेज 1 मार्च को खत्म हो गया है। पहले फेज में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजराइल 2 हजार से फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजराइल और हमास में बीच सीजफायर के दूसरे फेज पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी। हमास के पास अभी 24 जिंदा बंधक और 35 के शव हैं।

हमास ने की हमलों की आलोचना : हमास के एक अधिकारी ताहिर नुनू ने इजरायली हमलों की आलोचना की. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को नैतिक परीक्षण का सामना करना पड़ रहा है. या तो वह कब्जे वाली सेना द्वारा किए गए अपराधों की वापसी की अनुमति दे या फिर गाजा में निर्दोष लोगों के खिलाफ आक्रामकता और युद्ध को समाप्त करने की प्रतिबद्धता लागू करे. लेकिन दो सप्ताह पहले युद्ध विराम का पहला चरण समाप्त होने के बाद से, दोनों पक्ष दूसरे चरण के लिए आगे बढ़ने के तरीके पर सहमत नहीं हो पाए हैं, जिसका उद्देश्य लगभग 60 शेष बंधकों को रिहा करना और युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करना है. नेतन्याहू ने बार-बार युद्ध को फिर से शुरू करने की धमकी दी है, और इस महीने की शुरुआत में हमास पर दबाव बनाने के लिए घेरे हुए क्षेत्र में सभी खाद्य और सहायता डिलीवरी को रोक दिया. बता दें, इस युद्ध की शुरुआत हमास के 7 अक्टूबर, 2023 को सीमा पार हमले से हुई, जिसमें करीब 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य बंधक बनाए गए. स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने सैन्य हमले के साथ जवाब दिया।

न्यूयॉर्क में अनु, अंजुला, वेंडी व सीमा मोदी को सम्मान; महिला सशक्तिकरण को मिला नया मुकाम

न्यूयॉर्क , एजेंसी। सम्मानित महिलाओं में से अनु आयंगर, जो 'जे.पी. मॉर्गन' में सलाहकार और विलय एवं अधिग्रहण की वैश्विक प्रमुख हैं, उन्हें उनके पेशेवर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अंजुला अचारिया, जो 'ए-सीरीज मैनेजमेंट एंड इन्वेस्टमेंट्स' की सीईओ और संस्थापक हैं, को भी उनके काम के लिए सराहा गया। अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास और 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भारतीय मूल की चार प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया। इन महिलाओं को उनके विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बता दें कि समारोह में सम्मानित होने वाली महिलाओं में अनु आयंगर, अंजुला अचारिया, वेंडी डायमंड और सीमा मोदी शामिल थीं। इन महिलाओं ने सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और दोनों देशों में महिलाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है। सम्मानित महिलाओं में से अनु आयंगर, जो 'जे.पी. मॉर्गन' में सलाहकार और विलय एवं अधिग्रहण की वैश्विक प्रमुख हैं, उन्हें उनके पेशेवर योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

भगोड़े जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ से की मुलाकात

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भगोड़े इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ और उनकी बेटी और पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज से रायविंड स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात में विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। हालांकि आधिकारिक तौर पर बैठक को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने भी पिछले हफ्ते जाकिर नाइक से मुलाकात की। हालांकि उनकी इस मुलाकात पर सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए हैं। मोहम्मद हफीज ने जाकिर नाइक के साथ मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा कि जाकिर नाइक के साथ सुखद मुलाकात। सोशल मीडिया यूजर्स मोहम्मद हफीज की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और लोगों ने हफीज के जाकिर नाइक से मिलने पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा कि यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट टीम और भारत सरकार पाकिस्तान नहीं आना चाहती। एक अन्य यूजर ने लिखा कि और ये कहते हैं कि भारत, पाकिस्तान में नहीं खेलता।

भारतीय टीम के पाकिस्तान में नहीं खेलने के फैसले का यूजर्स ने किया समर्थन : आलोचना करने वाले अधिकतर यूजर भारतीय हैं। गौरतलब है कि जाकिर नाइक भारत में वांछित है और उस पर धन शोधन और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का आरोप है। जाकिर नाइक के पाकिस्तान दौरे से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के पाकिस्तान में नहीं खेलने का मामला फिर से गरमा गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडन परिवार के वयस्क बच्चों के लिए सीक्रेट सर्विस सुरक्षा समाप्त की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडन के वयस्क बच्चों को दी गई

सीक्रेट सर्विस सुरक्षा तत्काल समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रपति ने जनवरी में पद छोड़ने से ठीक पहले अपने बच्चों के लिए सीक्रेट सर्विस सुरक्षा को जुलाई तक बढ़ा दिया था। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई कि इस हफ्ते दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान हंटर बाइडन की सुरक्षा के लिए 18 एजेंट तैनात किए गए थे। उन्होंने कहा कि एशले बिडेन की सुरक्षा के लिए 13 एजेंट तैनात किए गए हैं और उन्हें भी सुरक्षा प्राप्त लोगों की सूची से हटा दिया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपतियों और उनके जीवनसाथियों को संघीय कानून के तहत आजीवन सीक्रेट सर्विस सुरक्षा प्राप्त होती है, लेकिन 16 वर्ष से अधिक आयु के उनके निकटतम परिवारजनों को दी जाने वाली सुरक्षा उनके पद छोड़ने के बाद समाप्त हो जाती है, हालांकि ट्रम्प और बाइडन दोनों ने पद छोड़ने से पहले अपने बच्चों के लिए यह सुरक्षा छह महीने के लिए बढ़ा दी थी।

गिरफ्तार भारतीय मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बातचीत पर श्रीलंकाई मंत्री ने चुप्पी साधी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखर ने भारतीय मछुआरों को द्वीप राष्ट्र के सुरक्षा बलों द्वारा गिरफ्तार किए जाने और मछुआरों की रिहाई से संबंधित बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सतर्कता बरती. इस संबंध में चंद्रशेखर ने शनिवार को कच्चातीवु द्वीप में दो दिवसीय वार्षिक सेंट एंथोनी चर्च उत्सव के मौके पर ईटीवी भारत से बात की. श्रीलंका के मंत्री से पूछा कि क्या उनकी सरकार ने तमिलनाडु के मछुआरों की हालिया गिरफ्तारी के संबंध में भारत सरकार के साथ कोई बातचीत की है? श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री ने कहा कि दोनों सरकारें सामान्य रूप से एक-दूसरे से बात कर रही हैं और बातचीत तमिलनाडु (मछुआरों) की (ताजा गिरफ्तारी) तक सीमित नहीं है.

संयुक्त गश्त का कोई प्रस्ताव नहीं : मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं द्वारा संयुक्त गश्त का कोई प्रस्ताव नहीं है. अभी तक भारत-लंका के बीच ऐसी कोई संयुक्त गश्त वार्ता नहीं हुई है. हालांकि, अगर इससे समस्या का समाधान होता है तो हम इस तरह के उपाय के लिए तैयार हैं.

बॉटम ट्रॉलिंग मैथड के इस्तेमाल पर आपत्ती : मंत्री ने मछली पकड़ने की बॉटम ट्रॉलिंग मैथड के इस्तेमाल पर भी कुछ आपत्तियां जताईं. उन्होंने इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की वकालत भी की. गौरतलब है कि कच्चातीवु में सेंट एंथनी चर्च उत्सव में भारत और

श्रीलंका दोनों देशों के श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. इसकी शुरुआत शुक्रवार 14 मार्च को ध्वजारोहण के साथ हुई. इसके बाद क्रॉस के स्टेशन और थिरुथर भवानी (चर्च कार) सहित विशेष सामूहिक प्रार्थना और कार्यक्रम हुए.

इस उत्सव में भारत और श्रीलंका से 8,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. इसके लिए कल रामेश्वरम समेत विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नावों में सवार होकर गए. श्रद्धालुओं ने शनिवार 1 मार्च को आयोजित पवित्र सामूहिक प्रार्थना में हिस्सा लिया. ध्वजारोहण के साथ उत्सव का समापन हुआ. बता दें कि विदेश मंत्रालय द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच श्रीलंकाई अधिकारियों ने कुल 1194 तमिलनाडु के मछुआरों को गिरफ्तार किया है. इनमें से 2020 में 74 और 2021 में 143 गिरफ्तार किए गए. अगले साल यह संख्या बढ़कर 229 हो गई और 2023 में भी इसी आंकड़े के आसपास रही. पिछले साल यह संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई, जब 528 गिरफ्तार किए गए. इसी अवधि में श्रीलंकाई जल में हुई घटनाओं में तमिलनाडु के सात मछुआरों की जान चली गई, जिनमें से पांच की मौत 2021 में और दो अन्य की पिछले साल हुई. मंत्रालय ने संसद को इस बारे में तब सूचित किया जब इस संबंध में एक सवाल राज्यसभा में एआईएडीएमके सांसद सी वीई षणमुगम द्वारा उठाया गया था. तीन हफ्ते पहले श्रीलंकाई अधिकारियों ने देश के जलक्षेत्र में घुसने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

20 वर्षीय भारतवंशी छात्रा का 12 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं, समुद्र तट से हुई थी लापता

पुंटा काना, एजेंसी। बाल्कन देश डोमिनिकन गणराज्य में भारतीय मूल की अमेरिकी छात्रा के लापता होने का मामला सुर्खियों में है। अमेरिका के पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा सुदीक्षा कोनांकी (20) को आखिरी बार पुंटा काना शहर के रिउ रिपब्लिक रिसॉर्ट में देखा गया था। 12 दिन पहले रिसॉर्ट में दिखी छात्रा के लापता होने के मामले में जांच कर रहे अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं वह डूब तो नहीं गई। तलाशी अभियान में तेजी आने के बाद सोमवार को (डोमिनिका टाइम) अधिकारियों ने रिजॉर्ट के आसपास पूछताछ की। अधिकारी सुदीक्षा को आखिरी बार देखने वाले व्यक्ति को लेकर उस समुद्र तट पर ले जाया गया जहां उसने छात्रा को आखिरी बार देखा था।

रीबे पुलिस ने दी जानकारी : खबरों के मुताबिक अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के छात्र जोशुआ रीबे ने सुदीक्षा को आखिरी बार देखा था। रीबे ने पुलिस को बताया कि वह समुद्र तट पर कोनांकी के साथ शराब पी रहा था इसी दौरान समुद्र में तेज लहरें उठीं और दोनों पानी में चले गए। रीबे के मुताबिक वह एक लाइफगार्ड रह चुके हैं, वे दीक्षा को किनारे तक लाने में सफल रहे। समुद्र तट पर दीक्षा को उल्टी हुई। रीबे ने बताया कि थोड़ी देर बाद दीक्षा ने उनसे कहा कि वह अपना सामान लाने जा रही है, जब उसने रिसॉर्ट की तरफ नजर दौड़ाई तो दीक्षा का कहीं पता नहीं चला। बाद में गायब होने की खबरें सामने आने पर उसे काफी हैरानी हुई।

बड़े पैमाने पर खोज अभियान चलाया जा रहा : लॉडोन काउंटी शेरिफ ऑफिस (एलसीएसओ) के मुताबिक, जांच के तहत बड़े पैमाने पर खोज अभियान चलाया जा रहा है। उन सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है, जिन्होंने लापता होने से पहले कोनांकी को देखा था या उनके साथ समय बिताया था। शेरिफ ऑफिस ने इंटरपोल के माध्यम से 'येलो नोटिस' (लापता व्यक्ति के लिए वैश्विक पुलिस अलर्ट) जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

परिवार के बयान से मामला बना और संदिग्ध : छात्रा के बारे में होटल से पूछताछ करने पर होटल के स्टाफों ने बताया कि यह घटना बिजली की कटौती के दौरान हुई, जिसके कारण कई मेहमान समुद्र तट की ओर चले गए थे। कोनांकी के परिवार ने बताया कि उसने अपना फोन और बटुआ दोस्तों के पास छोड़ दिया था, जबकि वह हमेशा अपना फोन अपने पास रखती थीं। परिवार के इस बयान ने मामले को और संदिग्ध बना दिया है।

कोनांकी के समुद्र में डूबने की आशंका : जांच में शामिल तीन डोमिनिकन अधिकारियों ने बताया कि कोनांकी के समुद्र में डूबने की आशंका है। एलसीएसओ ने कहा कि उन्हें कोनांकी की सुरक्षित वापसी की उम्मीद है और वे इस जांच और उनके परिवार को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मामले में लॉडोन काउंटी शेरिफ ऑफिस अमेरिकी विदेश विभाग, एफबीआई, ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीइए), होमलैंड सिक्योरिटी इंवेस्टिगेशन (एचएसआई) और यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग पुलिस के साथ मिलकर डोमिनिकन राष्ट्रीय पुलिस की जांच में सहयोग कर रहा है।

ट्रंप ने मिशेल बोमन को फेडरल रिजर्व का शीर्ष नियामक नामित किया, अब चाहिए होगी सीनेट की मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फेडरल रिजर्व के वित्तीय नियामक कार्यों की देखरेख के लिए मिशेल बोमन को नामित किया है। इस कदम से बड़े बैंकों के लिए नियम ढीले होने की संभावना बढ़ी है। बोमन को 2018 में ट्रंप ने फेड के गवर्निंग बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। वह माइकल बार की जगह फेड के पर्यवेक्षण विभाग के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। पिछले महीने बार ने कानूनी लड़ाई से बचने के लिए पद छोड़ दिया था। ट्रंप की ओर से नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी। हालांकि, बार सात सदस्यीय फेड बोर्ड में बने रहे, जिससे ट्रंप को मौजूदा गवर्नर में से किसी एक को उपाध्यक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोमन नामांकन का बैंकिंग उद्योग के लॉबिंग समूहों ने स्वागत किया है। जिनमें अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन और इंडिपेंडेंट कम्युनिटी बैंकर्स ऑफ अमेरिका शामिल थे। उपाध्यक्ष के रूप में, बोमन सबसे शक्तिशाली संघीय बैंक नियामक होंगे और बैंक नियमों में सुधार के लिए फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और करेंसी नियंत्रक कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता है, हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें आसानी से मंजूरी मिल जाएगी। बोमन ने जेपी मॉर्गन चेस और बैंक ऑफ अमेरिका जैसे बड़े बैंकों पर नियमों को कड़ा करने के लिए बर के 2023 के प्रस्ताव के

खिलाफ मतदान किया। उनका तर्क था कि विशेष रूप से संभावित घाटे की भरपाई के लिए अधिक पूंजी आरक्षित रखने की आवश्यकता थी। प्रस्तावित नियम का वित्तीय क्षेत्र में भारी विरोध देखा गया। कुछ गैर-लाभकारी संगठनों ने भी चिंता व्यक्त की कि इससे बंधक ऋण की मात्रा सीमित हो सकती है। फेड में शामिल होने से पहले, बोमन 2017-2018 में कैनसस में स्टेट बैंक कमिश्नर थीं। उससे पहले एक स्थानीय बैंक में भी उन्होंने उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दी थी। उन्होंने वाशिंगटन में एक कैनसस रिपब्लिकन सीनेटर बॉब डोल और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी व होमलैंड सुरक्षा विभाग के लिए भी काम किया है।

अमेरिका से राजदूत को निकाले जाने पर बोले राष्ट्रपति रामफोसा, यह कार्रवाई संबंधों में बाधा

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। अमेरिका द्वारा दक्षिण अफ्रीका के राजदूत इब्राहिम रसूल को निष्कासित करने से दोनों देशों के संबंधों में एक नई खटास की आशंका देखने को मिल सकती है। जहां अमेरिका के इस फैसले पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत इब्राहिम रसूल को निष्कासित करना दोनों देशों के संबंधों में एक छोटी सी बाधा है।

बता दें कि अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा का यह बयान तब आया जब इस मुद्दे पर विवाद बढ़ गया था। जहां वे पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। देखा जाए तो यह पहली बार था जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर रसूल को अवांछित व्यक्ति घोषित किया था।

राष्ट्रपति रामफोसा ने व्यक्त की आशा : राष्ट्रपति रामफोसा ने मामले में आशा व्यक्त की कि यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण तरीके से हल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक छोटी सी अड़चन है, जिसे सुधारने पर काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के साथ दक्षिण अफ्रीका के रिश्ते महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अमेरिका दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

अमेरिका ने रसूल के निष्कासन का भेजा नोट : साथ ही रामफोसा ने यह भी कहा कि अमेरिका ने रसूल के निष्कासन को लेकर एक राजनयिक नोट भेजा है और उन्होंने पूरी

रिपोर्ट का इंतजार किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य मामलों में संबंधों को सुधारने की दिशा में काम किया जाएगा। रामफोसा ने इस विवाद को एक छोटा सा अड़चन बताया, जिसे जल्द ही हल किया जाएगा, और दोनों देशों के रिश्ते मजबूत बनाए जाएंगे। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम उस वक्त हुआ जब रसूल ने एक दक्षिण अफ्रीकी एनजीओ द्वारा आयोजित चर्चा में भाग लिया। इस चर्चा में रसूल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन अभियान को वर्चस्ववाद पर आधारित बताया। इस पर रुबियो इतने नाराज हुए कि उन्होंने बिना किसी औपचारिक राजनयिक प्रक्रिया के ही रसूल को अमेरिका से वापस भेजने का आदेश दे दिया। रुबियो ने उन्हें जातिवादी और अमेरिकी राष्ट्रपति से नफरत करने वाला बताया। अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी दक्षिण अफ्रीका के राजदूत इब्राहिम रसूल को पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग ने अवांछित व्यक्ति घोषित किया। इसके बाद सोमवार को विभाग ने रसूल को शुक्रवार तक अमेरिका छोड़ने का आदेश दिया। विदेश विभाग ने मामले में बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ये फैसला किया है कि अब रसूल अमेरिका में अपने देश का प्रतिनिधि नहीं कर सकते हैं। बता दें कि रुबियो ने सोशल मीडिया के माध्यम से एक पोस्ट कर ये जानकारी दी, जिसके बाद दक्षिणी अफ्रीकी दूतावास को इस बारे में औपचारिक सूचना दी गई।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत पुलिस आयुक्त और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर जानकारी दी जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर

सरथाणा पुलिस पर जबरन वसूली करने के आरोप लगाते हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के विधायक किशोर कुमार काणाणी ने मुख्यमंत्री और सूरत पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर बताया कि सरथाणा पुलिस स्टेशन ने मौखिक सूचना के आधार पर 11 जनवरी 2025 को दोपहर करीब 3:30 बजे बिना लाइसेंस के हार्पिक कंपनी का डुप्लिकेट लिक्विड पकड़ने के लिए रेड की थी। इस रेड में करीब 8 से 10 पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिसकर्मियों ने हार्पिक कंपनी के प्रतिनिधि विनोद भाई बीजवा भाई सुमरा के साथ मिलकर आरना एंटरप्राइज पर छापा मारा था।

5 ट्रकों में माल गुप्त रूप से ले जाया गया

इस रेड के दौरान पुलिसकर्मियों और कंपनी के प्रतिनिधियों ने आरना एंटरप्राइज के मालिकों से 8 लाख रुपये लेकर गोडाउन में मौजूद पूरे माल को एफआईआर में न दिखाने की मांग की। गोडाउन में 20 लाख रुपये से भी अधिक का माल था, लेकिन एफआईआर में केवल 3,31,200 रुपये का ही माल दिखाया गया। बाकी माल को एन्यम सर्कल, रिंग रोड स्थित क्रिस्टल फार्म में पुलिस की मदद से 5 ट्रकों में भरकर गुप्त रूप से निकाल लिया गया। ग़ैरक़ानूनी रूप से मोबाइल जब्त रेड के दौरान आरना एंटरप्राइज के **मालिकों और

:: લોક સંપર્ક કાર્યાલય ::
''સાથી''
૨૦૨, માધવબાગ કોમ્પલેક્ષ,
જલારામ સ્ટીલ ફર્નિચર સામે, કાપોદ્રા,
વરાછા રોડ, સુરત-૬.
ટેલીફેક્ષ : ૦૨૬૧ ૨૫૬૮૨૭૯
મો. ૯૮૨૫૫ ૦૮૨૨૫
E-mail : kumarbhaik@yahoo.com

विधानसभा
गुजरात

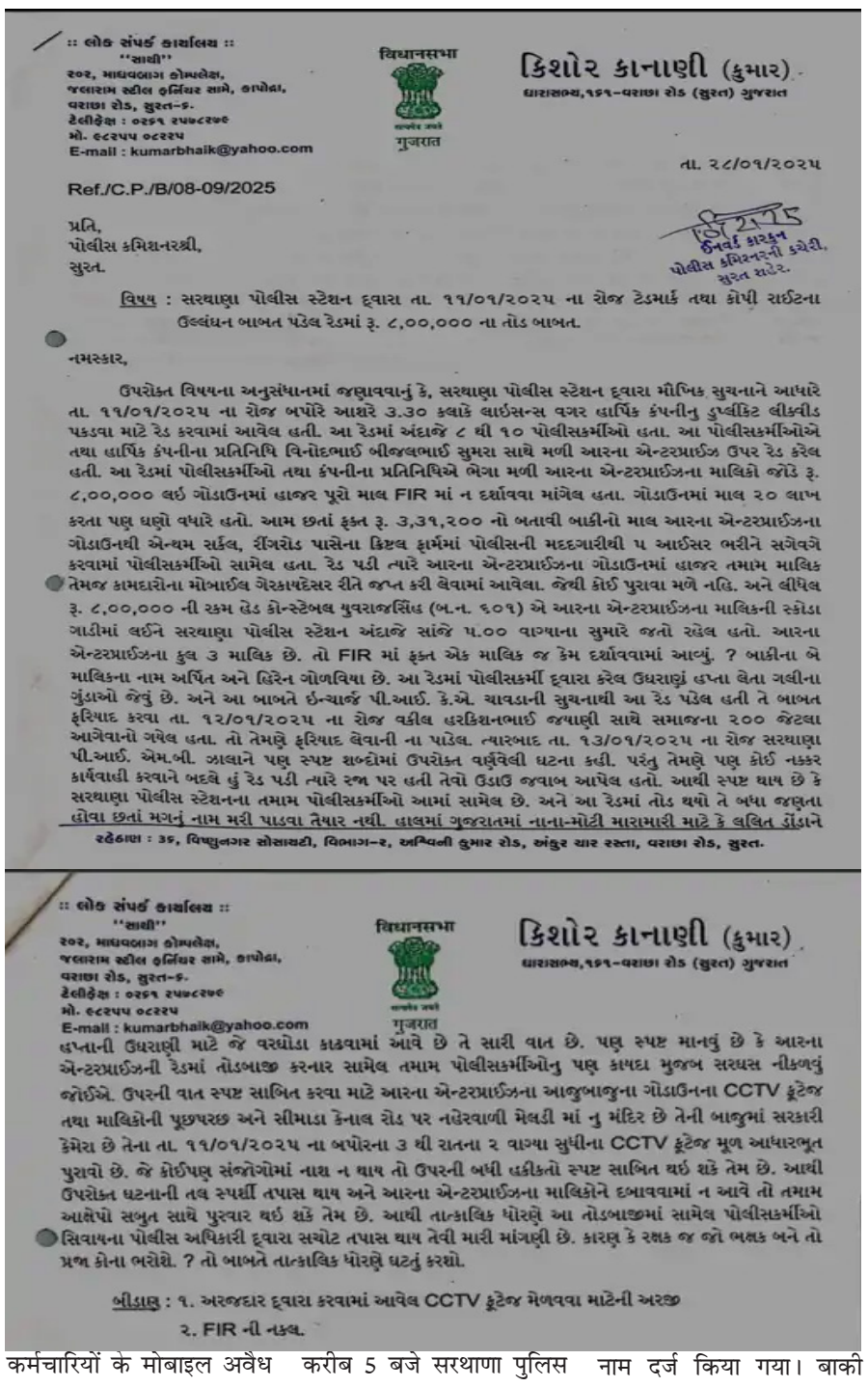

કિશોર કાનાણી (કુમાર)
ધારાસભ્ય,૧૬૧-વરાછા રોડ (સુરત) ગુજરાત

તા. ૨૮/૦૧/૨૦૨૫

Ref./C.P./B/08-09/2025

પ્રતિ,
પોલીસ કમિશનરશ્રી,
સુરત.

ઈનવર્ડ કારકુન
પોલીસ કમિશનરની કચેરી,
સુરત શહેર.

વિષય : સરથાણા પોલીસ સ્ટેશન દ્વારા તા. ૧૧/૦૧/૨૦૨૫ ના રોજ ટેડમાર્ક તથા કોપી રાઈટના ઉલ્લંઘન બાબત પડેલ રેડમાં રૂ. ૮,૦૦,૦૦૦ ના તોડ બાબત.

નમસ્કાર,

ઉપરોક્ત વિષયના અનુસંધાનમાં જણાવવાનું કે, સરથાણા પોલીસ સ્ટેશન દ્વારા મૌખિક સુચનાને આધારે તા. ૧૧/૦૧/૨૦૨૫ ના રોજ બપોરે આશરે ૩.૩૦ કલાકે લાઈસન્સ વગર હાર્પિક કંપનીનુ ડુપ્લીકેટ લીક્વીડ પકડવા માટે રેડ કરવામાં આવેલ હતી. આ રેડમાં અંદાજે ૮ થી ૧૦ પોલીસકર્મીઓ હતા. આ પોલીસકર્મીઓએ તથા હાર્પિક કંપનીના પ્રતિનિધિ વિનોદભાઈ બીજલભાઈ સુમરા સાથે મળી આરના એન્ટરપ્રાઈઝ ઉપર રેડ કરેલ હતી. આ રેડમાં પોલીસકર્મીઓ તથા કંપનીના પ્રતિનિધિએ ભેગા મળી આરના એન્ટરપ્રાઈઝના માલિકો જોડે રૂ. ૮,૦૦,૦૦૦ લઈ ગોડાઉનમાં હાજર પૂરો માલ FIR માં ન દર્શાવવા માંગેલ હતા. ગોડાઉનમાં માલ ૨૦ લાખ કરતા પણ ઘણો વધારે હતો. આમ છતાં ફક્ત રૂ. ૩,૩૧,૨૦૦ નો બતાવી બાકીનો માલ આરના એન્ટરપ્રાઈઝના ગોડાઉનથી એન્થમ સર્કલ, રીંગરોડ પાસેના ક્રિષ્ટલ ફાર્મમાં પોલીસની મદદગારીથી ૫ આઈસર ભરીને સગેવગે કરવામાં પોલીસકર્મીઓ સામેલ હતા. રેડ પડી ત્યારે આરના એન્ટરપ્રાઈઝના ગોડાઉનમાં હાજર તમામ માલિક તેમજ કામદારોના મોબાઈલ ગેરકાયદેસર રીતે જપ્ત કરી લેવામાં આવેલા. જેથી કોઈ પુરાવા મળે નહિ. અને લીધેલ રૂ. ૮,૦૦,૦૦૦ ની રકમ હેડ કોન્સ્ટેબલ યુવરાજસિંહ (બ.ન. ૬૦૧) એ આરના એન્ટરપ્રાઈઝના માલિકની સ્કોડા ગાડીમાં લઈને સરથાણા પોલીસ સ્ટેશન અંદાજે સાંજે ૫.૦૦ વાગ્યાના સુમારે જતો રહેલ હતો. આરના એન્ટરપ્રાઈઝના કુલ ૩ માલિક છે. તો FIR માં ફક્ત એક માલિક જ કેમ દર્શાવવામાં આવ્યું. ? બાકીના બે માલિકના નામ અર્પિત અને હિરેન ગોળવિયા છે. આ રેડમાં પોલીસકર્મી દ્વારા કરેલ ઉઘરાણું હપ્તા લેતા ગલીના ગુંડાઓ જેવું છે. અને આ બાબતે ઈન્ચાર્જ પી.આઈ. કે.એ. ચાવડાની સુચનાથી આ રેડ પડેલ હતી તે બાબત ફરિયાદ કરવા તા. ૧૨/૦૧/૨૦૨૫ ના રોજ વકીલ હરકિશનભાઈ જયાણી સાથે સમાજના ૨૦૦ જેટલા આગેવાનો ગયેલ હતા. તો તેમણે ફરિયાદ લેવાની ના પાડેલ. ત્યારબાદ તા. ૧૩/૦૧/૨૦૨૫ ના રોજ સરથાણા પી.આઈ. એમ.બી. ઝાલાને પણ સ્પષ્ટ શબ્દોમાં ઉપરોક્ત વર્ણવેલી ઘટના કહી. પરંતુ તેમણે પણ કોઈ નક્કર કાર્યવાહી કરવાને બદલે હું રેડ પડી ત્યારે રજા પર હતો તેવો ઉડાઉ જવાબ આપેલ હતો. આથી સ્પષ્ટ થાય છે કે સરથાણા પોલીસ સ્ટેશનના તમામ પોલીસકર્મીઓ આમાં સામેલ છે. અને આ રેડમાં તોડ થયો તે બધા જાણતા હોવા છતાં મગનું નામ મરી પાડવા તૈયાર નથી. હાલમાં ગુજરાતમાં નાના-મોટી મારામારી માટે કે લલિત ડોંડાને

રહેઠાણ : ૩૬, વિષ્ણુનગર સોસાયટી, વિભાગ-૨, અશ્વિની કુમાર રોડ, અંકુર ચાર રસ્તા, વરાછા રોડ, સુરત.

:: લોક સંપર્ક કાર્યાલય ::
''સાથી''
૨૦૨, માધવબાગ કોમ્પલેક્ષ,
જલારામ સ્ટીલ ફર્નિચર સામે, કાપોદ્રા,
વરાછા રોડ, સુરત-૬.
ટેલીફેક્ષ : ૦૨૬૧ ૨૫૬૮૨૭૯
મો. ૯૮૨૫૫ ૦૮૨૨૫
E-mail : kumarbhaik@yahoo.com

विधानसभा
गुजरात

કિશોર કાનાણી (કુમાર)
ધારાસભ્ય,૧૬૧-વરાછા રોડ (સુરત) ગુજરાત

હપ્તાની ઉઘરાણી માટે જે વરઘોડા કાઢવામાં આવે છે તે સારી વાત છે. પણ સ્પષ્ટ માનવું છે કે આરના એન્ટરપ્રાઈઝની રેડમાં તોડબાજી કરનાર સામેલ તમામ પોલીસકર્મીઓનુ પણ કાયદા મુજબ સરઘસ નીકળવું જોઈએ. ઉપરની વાત સ્પષ્ટ સાબિત કરવા માટે આરના એન્ટરપ્રાઈઝના આજુબાજુના ગોડાઉનના CCTV ફૂટેજ તથા માલિકોની પૂછપરછ અને સીમાડા કેનાલ રોડ પર નહેરવાળી મેલડી માં નુ મંદિર છે તેની બાજુમાં સરકારી કેમેરા છે તેના તા. ૧૧/૦૧/૨૦૨૫ ના બપોરના ૩ થી રાતના ૨ વાગ્યા સુધીના CCTV ફૂટેજ મૂળ આધારભૂત પુરાવો છે. જે કોઈપણ સંજોગોમાં નાશ ન થાય તો ઉપરની બધી હકીકતો સ્પષ્ટ સાબિત થઈ શકે તેમ છે. આથી ઉપરોક્ત ઘટનાની તલ સ્પર્શી તપાસ થાય અને આરના એન્ટરપ્રાઈઝના માલિકોને દબાવવામાં ન આવે તો તમામ આક્ષેપો સબુત સાથે પુરવાર થઈ શકે તેમ છે. આથી તાત્કાલિક ધોરણે આ તોડબાજીમાં સામેલ પોલીસકર્મીઓ સિવાયના પોલીસ અધિકારી દ્વારા સચોટ તપાસ થાય તેવી મારી માંગણી છે. કારણ કે રક્ષક જ જો ભક્ષક બને તો પ્રજા કોના ભરોશે. ? તો બાબતે તાત્કાલિક ધોરણે ઘટતું કરશો.

બીડાણ : ૧. અરજદાર દ્વારા કરવામાં આવેલ CCTV ફૂટેજ મેળવવા માટેની અરજી
૨. FIR ની નકલ.

कर्मचारियों के मोबाइल अवैध रूप से जब्त कर लिए गए, ताकि कोई सबूत न रहे। 8 लाख रुपये की रिश्वत हेड कांस्टेबल युवराजसिंह ने मालिक की स्कोडा कार में रखी और शाम करीब 5 बजे सरथाणा पुलिस स्टेशन के लिए निकल गया।

शिकायत दर्ज नहीं की गई

आरना एंटरप्राइज के 3 मालिक हैं, लेकिन एफआईआर में केवल एक ही मालिक का नाम दर्ज किया गया। बाकी दो मालिकों के नाम अर्पित और हिरेन गोलविया हैं। विधायक का आरोप है कि यह पुलिसकर्मियों द्वारा जबरन वसूली का मामला है, जो किसी गैंगस्टर जैसी हरकत कर रहे हैं। इस मामले में इंचार्ज पीआई के. ए. चावड़ा के निर्देश पर रेड की गई थी।

12 जनवरी 2025 को वकील हरकिशनभाई जियानी और समाज के 200 से अधिक नेता पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराने गए थे, लेकिन शिकायत लेने से इनकार कर दिया गया। फिर 13 जनवरी 2025 को सरथाणा पीआई एम.बी. झाला को भी पूरी घटना बताई गई, लेकिन उन्होंने कोई ठोस कार्रवाई करने के बजाय यह कहकर टाल दिया कि रेड के समय वह छुट्टी पर थे।

सरकारी कैमरों की जांच होनी चाहिए

विधायक काणाणी ने कहा कि इस रेड में सरथाणा पुलिस स्टेशन के सभी पुलिसकर्मी शामिल थे और यह छापा वसूली के लिए किया गया था। इस घटना के सबूत के लिए गोडाउन के आसपास के CCTV फुटेज और सीमाडा कैनाल रोड पर स्थित सरकारी कैमरों की 11 जनवरी 2025 की दोपहर 3 बजे से रात 2 बजे तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जानी चाहिए।

"रक्षक ही भक्षक बन जाए तो जनता किस पर भरोसा करे?"

विधायक ने मांग की कि इस मामले की जांच पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा कराई जाए, ताकि पीड़ितों पर दबाव न बनाया जाए और सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा, "अगर रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो जनता किसके भरोसे रहे?"

वलसाड के भिलाड में चेक पोस्ट पर ACB द्वारा रेड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के भिलाड में एसीबी की कार्रवाई में वन उत्पाद चेक पोस्ट का बीट गार्ड 6,300 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 7,500 रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह रिश्वत महाराष्ट्र से खैर की लकड़ी लाने के लिए गुजरात का पास बनाने के बदले में मांगी गई थी। एसीबी ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। भिलाड चेक पोस्ट से रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। इन वाहनों में वन उत्पाद होते हैं और वे दूसरे राज्यों से गुजरात में प्रवेश करते हैं। बीट गार्ड द्वारा वाहन जांच के बाद उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी जाती है। एसीबी को शिकायत मिलने के बाद भिलाड चेक पोस्ट पर छापा मारा गया, जहां बीट गार्ड को 6,300 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसके बाद एसीबी ने आरोपी को हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू की। महाराष्ट्र से खैर की लकड़ी लाकर महाराष्ट्र पास से गुजरात पास बनाने के लिए बीट गार्ड ने रिश्वत मांगी थी। जबकि पास की कानूनी फीस केवल 20 रुपये थी, आरोपी ने एक पास के लिए 2,500 रुपये मांगे थे। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद जिले के सरकारी अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

4.26 करोड़ रुपये के हीरे लेकर पैसे न चुकाने और धोखाधड़ी कर फरार हुए आरोपी,13 साल बाद गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वराछा पुलिस स्टेशन में दर्ज 4.26 करोड़ रुपये की हीरा धोखाधड़ी के मामले में 13 साल से फरार मुख्य आरोपी पंकज उर्फ बंटू चंद्रकांत दवे को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी ने 2008 में सूरत के महिधरपुरा स्थित नवपलव बिल्डिंग में हीरों का कारोबार शुरू किया था। वह हीरा व्यापारियों और दलालों से तैयार माल लेकर बाजार में बेचता था। लेकिन व्यापार में लगभग 1 करोड़ रुपये का नुकसान होने के बाद उसने धोखाधड़ी का सहारा लिया। व्यापार में नुकसान की भरपाई करने के लिए उसने माल बेचने की कोशिश की, लेकिन लेन-देन का संतुलन बिगड़ गया। कम कीमत पर माल बेचने से उस पर कर्ज बढ़ता गया। जब वह हीरा व्यापारियों को उनके पैसे लौटाने में असमर्थ हो गया, तो करीब 4.26 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर फरार हो गया। इस मामले में वराछा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था।सूरत क्राइम ब्रांच ने तकनीकी और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर पंकज उर्फ बंटू दवे को पकड़कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

विदेशों में फेंटानाइल ड्रग्स बनाने के लिए केमिकल भेजने का रैकेट

ATS ने महिला उद्योगपति समेत दो को पकड़ा, नामी केमिकल कंपनियों की संलिप्तता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दुनिया के कुख्यात मैक्सिकन ड्रग माफिया सिनोलोआ कार्टेल और सूरत के दो उद्योगपतियों के बीच प्रतिबंधित केमिकल्स की अवैध निर्यात की साजिश का गुजरात ATS ने पर्दाफाश किया है। गुजरात ATS की टीम ने सूरत के उद्योगपति सतीशकुमार हरेशभाई सुतरिया और युक्ताकुमारी आशीषकुमार मोदी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। ये दोनों उद्योगपति फेंटानिल (Fentanyl) नामक प्रतिबंधित ड्रग बनाने के लिए आवश्यक केमिकल्स मैक्सिको, ग्वाटेमाला और अन्य देशों में निर्यात कर रहे थे। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 3 दिनों के रिमांड को मंजूरी दी है, जिसके बाद ATS इस मामले की और गहराई से जांच करेगी। दुनिया के कुख्यात मैक्सिकन ड्रग माफिया सिनोलोआ कार्टेल और सूरत के दो उद्योगपतियों के बीच प्रतिबंधित केमिकल्स की अवैध निर्यात की साजिश का गुजरात ATS ने पर्दाफाश किया है। गुजरात ATS की टीम ने सूरत के उद्योगपति सतीशकुमार हरेशभाई सुतरिया और युक्ताकुमारी आशीषकुमार मोदी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। ये दोनों उद्योगपति फेंटानिल (Fentanyl) नामक प्रतिबंधित ड्रग बनाने के लिए आवश्यक केमिकल्स मैक्सिको, ग्वाटेमाला और अन्य देशों में निर्यात कर रहे थे। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 3 दिनों के रिमांड को मंजूरी दी है, जिसके बाद ATS इस मामले की और गहराई से जांच करेगी।

अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन रखने वाले अल्ताफ पटेल के घर पर क्राइम ब्रांच की छापेमारी

सूरत के कुख्यात संज्जू कोठारी और समीर मांडवो के अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अंडरवर्ल्ड से जुड़े मामलों की जांच के तहत क्राइम ब्रांच ने अल्ताफ पटेल के घर पर छापेमारी की है। अल्ताफ पटेल पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने और अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने के आरोप हैं।

सूरत पुलिस ने कुख्यात अपराधियों संज्जू कोठारी और समीर मांडवो के अवैध कब्जों पर बुलडोजर चला दिया है। प्रशासन ने इन अपराधियों द्वारा कब्जाई गई जमीनों की पहचान कर, नगर निगम के सहयोग से ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सूरत में असामाजिक तत्वों और अपराधियों के खिलाफ चल रही इस कड़ी कार्रवाई के तहत कई अन्य अपराधियों की अवैध संपत्तियों की भी जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी बड़े नामों पर कार्रवाई होने की संभावना है।

सूरत में कुख्यात अपराधियों पर कार्रवाई:संज्जू कोठारी और समीर मांडवो के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, अंडरवर्ल्ड से जुड़े अल्ताफ पटेल के घर पर छापा

सूरत में अपराधियों के खिलाफ जारी कड़ी कार्रवाई के तहत प्रशासन ने आज नानपुरा के कुख्यात संज्जू कोठारी और लालगेट के बुटलेगर समीर मांडवो के अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इससे पहले, राहुल अपार्टमेंट के तीन अवैध मकानों पर भी बुलडोजर चलाया गया था। नानपुरा में भारी पुलिस सुरक्षा के बीच नगर निगम के अधिकारियों ने गुजसीटोक आरोपी संज्जू कोठारी के घर का डिमोलिशन किया। वहीं, लालगेट इलाके में कुख्यात बुटलेगर समीर मांडवो के अवैध कब्जों को भी हटा दिया गया।

अंडरवर्ल्ड कनेक्शन" अल्ताफ पटेल के घर पर छापा

सूरत में अंडरवर्ल्ड से जुड़े मामलों की जांच के तहत क्राइम ब्रांच ने अल्ताफ पटेल के घर पर छापा मारा। अल्ताफ पटेल पर संगठित अपराध में संलिप्त होने और अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने के आरोप हैं। फिलहाल, पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच उसे हिरासत में लेकर गई है।

DGP का आदेश: 100 घंटे में अपराधियों की सूची तैयार करने के निर्देश

अहमदाबाद के वस्त्राल में हुई घटना के बाद राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस पर सवाल उठे थे। इस स्थिति को देखते हुए राज्य के पुलिस प्रमुख विकास सहाय ने 100 घंटे के भीतर राज्य भर के कुख्यात अपराधियों की सूची तैयार कर उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसी आदेश के तहत सूरत पुलिस हरकत में आई और बीते दिन हत्या समेत 22 से अधिक अपराधों में शामिल राहुल पींपळे उर्फ राहुल अपार्टमेंट के तीन अवैध मकानों को गिरा दिया गया। इसके बाद, अल्ताफ पटेल के घर पर छापा मारा गया। गैंग के खिलाफ फिरौती, मारपीट समेत 35 मामले दर्ज सूरत में कुख्यात अपराधी अल्ताफ पटेल के खिलाफ अपहरण, मारपीट, धमकी, फिरौती और जमीन विवाद से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए हैं। इस गैंग के खिलाफ गुजसीटोक के तहत भी केस दर्ज किया गया था,

सूरत के असामाजिक तत्वों की सूची तैयार

DGP के आदेश के बाद राज्य की पुलिस हरकत में , सूरत पुलिस ने 100 घंटे में 1400 अपराधियों की सूची तैयार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों में मौजूद असामाजिक तत्वों और पुराने अपराधियों की सूची तैयार कर ली है। इस लिस्ट में कुल 1400 अपराधियों के नाम शामिल किए गए हैं। पुलिस अब सभी इलाकों में चल रही अवैध गतिविधियों पर नजर रखकर एक्शन प्लान के तहत कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

350 हार्डकोर अपराधियों की सूची बनी

सूरत पुलिस द्वारा तैयार की गई 1400 अपराधियों की सूची में 350 हार्डकोर अपराधियों के नाम शामिल हैं। पूरे शहर में असामाजिक तत्वों द्वारा की जा रही आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सूरत पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अपनी दबंगई दिखाने वालों की भी सूची तैयार की गई है और उनके खिलाफ भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के सहयोग से होगी अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई

एसओजी के डीसीपी राजदीपसिंह नकुम ने बताया कि सूरत पुलिस कमिश्नर के मार्गदर्शन में 1400 अपराधियों की सूची तैयार की गई है, जिसमें 350 हार्डकोर अपराधियों के नाम शामिल हैं। सबसे पहले इस लिस्ट के आधार पर नगर निगम के अधिकारियों और संबंधित थाना क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर इन अपराधियों की संपत्तियों की जांच की जाएगी। उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद, अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जाएगा। आने वाले दिनों में सभी थाना क्षेत्रों में अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर

सूरत शहर में चार बड़े अपराधियों के अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इनमें समीर मांडवो, संज्जू कोठारी, राहुल अपार्टमेंट और आरिफ मींडी के अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया है। सबसे ज्यादा अपराधी और असामाजिक तत्वों की धरपकड़ शुरू हो गई है। क्राइम ब्रांच ने अलग-अलग इलाकों से 45 असामाजिक तत्वों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।